।। श्री हरिः ।।

Website : www.amritdarshan.com

RNI No. MPHIN /2004 /13927

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

नर्मदापुरम, शुक्रवार, 04 अप्रैल 2025 ● वर्ष - 21 ● अंक - 170 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

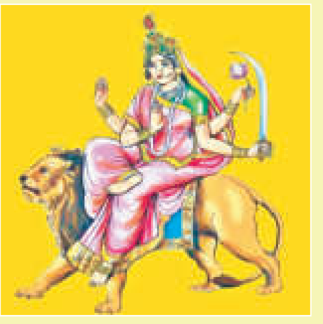

षष्ठम दिवस : **मां कात्यायनी देवी**

या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

जन्म प्रमाण पत्र पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

बच्चे के जन्म रिकॉर्ड पर किसी का एकाधिकार नहीं

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवादों में उलझे माता-पिता अपने अहं की संतुष्टि के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। हाईकोर्ट ने अपने एक हालिया आदेश में यह टिप्पणी करते हुए कहा कि माता-पिता में से कोई भी बच्चे के जन्म रिकॉर्ड के संबंध में किसी तरह के अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर सकता। हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ के जस्टिस मंगेश पाटिल और जस्टिस वाईजी खोबरागड़े ने इसके साथ उस महिला की याचिका को खारिज कर दिया, जिसने अपने बच्चे के जन्म संबंधी रिकॉर्ड में माता-पिता के रूप में केवल उसका नाम दर्ज करने का अनुरोध किया था। हाईकोर्ट ने कहा कि यह याचिका इसका एक स्पष्ट उदाहरण है कि कैसे एक वैवाहिक विवाद कई मुकदमों का कारण बनता है। अदालत ने याचिकाकर्ता पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया और कहा कि यह याचिका न्यायिक प्रक्रिया का सरासर दुरुपयोग है तथा कोर्ट के बहुमूल्य समय की बर्बादी है। महिला की तरफ से दायर याचिका में औरंगाबाद नगर निगम के अधिकारियों को ये निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि बच्चे के जन्म रिकॉर्ड में उसका नाम एकल अभिभावक के रूप में दर्ज करें और केवल उसके नाम से जन्म प्रमाणपत्र जारी करें।

सोलापुर में कांपी धरती, भूकंप की तीव्रता 2.6 मापी गई

मुंबई। बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के सोलापुर में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सिस्मोलॉजी सेंटर के मुताबिक सोलापुर में भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.6 मापी गई। जिला अधिकारियों ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, भूकंप गुरुवार सुबह 11.22 बजे आया, जिसका केंद्र दक्षिण-पश्चिम महाराष्ट्र में स्थित जिले के सांगोला के पास 5 किलोमीटर की गहराई में था।

सीएम को लोकसभा में वक्फ़ बिल पास होने पर धन्यवाद दिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरूवार को समत्व भवन में मध्यप्रदेश वक्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने लोकसभा में वक्फ़ बिल पारित होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएं देकर एक स्वर में कहा कि बिल से मुस्लिम समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को उनका जायज़ हक मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि बिल के पारित होने से मुस्लिम समाज की संपत्तियों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी।

अंतर्मना उवाच

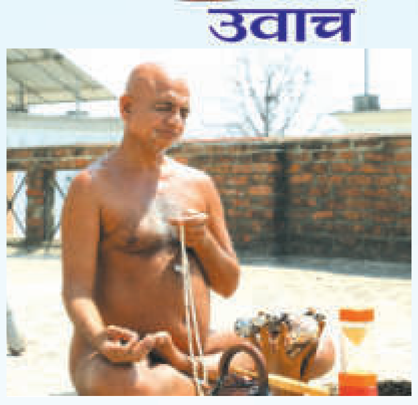

रेलवे बाजार , जैन मंदिर, हल्द्वानी जिला नैनीताल, उत्तराखंड में प्रकृति के समक्ष 36 डिग्री में प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

*किसी ने पूछा – **गुरूदेव विकास क्या है...?***
*हमने कहा – **पेड़ काटकर किताब बना देना।***
*फिर पूछा – **पतन क्या है..?***
*हमने कहा – **फिर उन्हीं किताबो में लिखना, पेड़ मत काटो।***

इसलिए कागज कभी रोते नहीं, बस रूला देते हैं, फिर वो प्रेम पत्र हो, रिजल्ट हो य मेडिकल रिपोर्ट हो। ***पेड़ों को काटो य उखाड़ो तब वह दुबारा बड़े खड़े हो जाते हैं। लेकिन मनुष्य एक बार बर्बाद होने के बाद बेहद मुश्किलों से उठ पाता है।***

इसलिए --

कुछ पाने के लिए कुछ खोना नहीं बल्की कुछ बोना पड़ता है...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है साढ़े तीन सौ साल पुराना श्री कालिका माता मंदिर

रतलाम ■ ब्यूरो

शहरवासियों की आस्था का केंद्र श्री कालिका माता मंदिर भले ही साढ़े तीन सौ साल पुराना है, लेकिन मंदिर में विराजित मां कालिका की मूर्ति उससे भी कई साल पुरानी है। रतलाम की जागीर मिलने के बाद राजा रतन सिंहजी कालिका माता की मूर्ति धराड़ से रतलाम लेकर आए थे और यहां विधि-विधान से स्थापना की थी। इसके बाद यह मंदिर जन-जन की आस्था का केंद्र बन गया है।

राजा रतनसिंह जी का शासन 1656 से 1658 तक रहा था। उस दौरान उन्होंने माता कालिका की विधि-विधान से स्थापना करवाई थी। आज यह मंदिर शहर के पर्यटन स्थलों में से एक होकर जिलेवासियों की आस्था का केंद्र है। शारदीय नवरात्रि में यहां नौ दिन तक सुबह-शाम गरबा रास होता है। रियासतकाल के दौरान यह स्थान ऊंचाई पर था। बिजली नहीं होने के कारण शहर की महिलाएं दिए व लालटेन लेकर अल सुबह मां के दर्शन करने आती थीं। श्री कालिका माता मंदिर के गर्भ गृह के बीच में कालिका माता, एक ओर चामुंडा माताजी, दूसरी ओर दक्षिणावर्ती सूंड वाले गणपति, शिवलिंग और अन्नपूर्णा मां विराजित हैं। मंदिर के द्वार चांदी के बने हुए हैं। मंदिर के सामने संतोषी माता, अन्नपूर्णा, महालक्ष्मी, श्रीराम, हनुमान

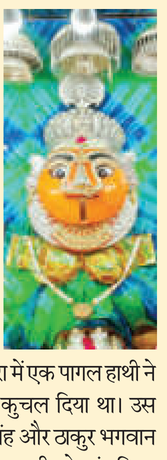

मंदिर भी हैं। जानकारों की माने तो राजा रतनसिंह 1652 के पहले से धराड़ के पटेल थे और ग्राम पंचेड़ के ठाकुर भगवान दास भुआ-मामा के भाई थे।

एक बार आगरा में एक पागल हाथी ने कई नागरिकों को कुचल दिया था। उस समय राजा रतनसिंह और ठाकुर भगवान दास ने मिलकर उस हाथी को शांत किया था। राजा रतनसिंह की बहादुरी को देखते हुए शाहजहां ने रतनसिंह को रतलाम की जागीर सौंपी थी। इस के बाद राजा रतनसिंह धराड़ में स्थित राजवंश की कुलदेवी मां कालिका की प्रतिमा को रतलाम लेकर आए थे और ठाकुर भगवान दास ने प्राण प्रतिष्ठा करवाई थी। पंचेड़ के 90 साल के इतिहासकार कन्हैयालाल पंड्या ने बताया कि राजा रतनसिंह जब कालिका माता की मूर्ति रतलाम लेकर आए थे उसके कुछ सालों पूर्व तक यह मूर्ति धराड़ में विराजित थी। पंचेड़ के इतिहास से रतलाम का इतिहास जुड़ा हुआ है।

ग्राम धराड़ में जहां पहले श्री कालिका माता विराजित थीं वहां अब भगवान श्रीराम जानकी विराजमान हैं। मंदिर के पुजारी जगदीश बैरागी ने बताया कि यह उनकी सातवीं पीढ़ी पूजा कर रही है। जब राजा रतनसिंह जी धराड़ में स्थित मां कालिका की मूर्ति रतलाम ले गए थे। तब ग्रामीणों ने मंदिर सूना नहीं रहने की बात कही थी। इसके बाद राजा रतनसिंह जी ने यहां भगवान श्रीराम-जानकी की प्राण-प्रतिष्ठा करवाई थी। पुजारी बैरागी ने बताया कि बड़े पिता के लड़के नाथूदास बैरागी को कालिका माता के सपने आने पर परिवार के लोगों ने मिलकर 17 साल पहले श्रीराम-जानकी मंदिर के पास श्री कालिका माता का मंदिर बनवाया।

मध्यप्रदेश : खंडवा के कोंडावत गांव में हुआ बड़ा हादसा

कुएं में गणगौर विसर्जन की तैयारी कर रहे 8 लोगों की मौत

खंडवा ■ एजेंसी

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में गणगौर उत्सव के दौरान बड़ा हादसा सामने आया है। यहां गणगौर मैया के विसर्जन के लिए गांव के कुएं की सफाई करने उतरे आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कुंए के आसपास जमा है।

जानकारी के अनुसार हादसा जिले के छैगांव माखन तहसील में आने वाले कोंडावत गांव में हुआ है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन से पहले गांव के कुएं को साफ करने करीब पांच लोग उतरे थे, पर काफी देर तक जब वे वापस नहीं आए तो तीन लोग और उन्हें तलाशने कुएं में उतरे, पर वो भी नहीं लौट सके। बाद में लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर फिलहाल छैगांव माखन थाने की पुलिस टीम पहुंची। उन्होंने एंबुलेंस एवं क्रेन बुलवाई और लोगों की तलाश शुरू की गई। सात लोगों के शव निकाल लिए गए हैं, आठवें की तलाश के लिए काफी मशक्कत करना पड़ी। सवा आठ बजे आठवें शव को भी निकाल लिया गया।

जहरीली गैस ने इन लोगों की ली जान

हादसे में जो लोग मारे गए हैं, उनकी पहचान राकेश पिता हरी, वासुदेव पिता आशाराम, गजानंद पिता गोपाल, मोहन पिता मंशाराम, अजय पिता मोहन, शरण पिता सुखराम, अनिल पिता आत्माराम सभी जाति कुन्बीपटेल निवासी कोंडावत के रूप में की गई है। अर्जुन पिता गोविंद का शव करीब आठ बजे निकाला जा सका।

जो बचाने उतरे थे वे भी नहीं लौटे

कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने बताया कि शाम करीब 4 बजे घटना की सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि गणगौर की मूर्तियों के विसर्जन के लिए कुएं में सफाई करने पांच लोग कुएं में उतरे थे। प्रथमदृष्टया कुएं में गैस बनी होगी, जिससे वे बाहर नहीं आ सके। उन्हें बचाने तीन लोग बाद में कुएं में उतरे। दुर्भाग्यवश वे भी बाहर नहीं आ सके। सूचना पर पुलिस, एनडीआरएफ, होमगार्ड की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ शव निकाले गए हैं, उन्हें अस्पताल भेजा गया है जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जाएगी।

सीएम ने जताया शोक

घटना पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि खंडवा जिले अंतर्गत छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई हेतु उतरे एक व्यक्ति के दलदल में फंसने पर बचाने के प्रयास में एक के बाद एक कुएं में उतरे अन्य सात व्यक्ति भी अंदर फंस गए, कुएं में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण सभी आठ व्यक्तियों के काल कवलित होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस, प्रशासन, होम गार्ड्स एवं एसडीईआरएफ की टीम द्वारा जॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। दु:ख की इस घड़ी में सभी शोकाकुल परिजनों के साथ मेरी गहरी शोक संवेदनाएं हैं। सभी मृतकों के परिवारजनों को ?4-4 लाख की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि सभी पुण्यात्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान और परिजनों को यह गहन दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

ट्रम्प बोले- मोदी अच्छे दोस्त, लेकिन टैरिफ पर व्यवहार ठीक नहीं

अमेरिका ने भारत पर 26% टैरिफ लगाया भारत बोला-बातचीत से हल निकालेंगे

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार देर रात भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ (रेसिप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ) लगाने का ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा- भारत बहुत सख्त देश है। मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं।

ट्रम्प ने कहा, भारत अमेरिका पर 52 प्रतिशत तक टैरिफ लगाता है, इसलिए अमेरिका भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। अन्य देश हमसे जितना टैरिफ वसूल रहे, हम उनसे लगभग आधे टैरिफ लेंगे। इसलिए टैरिफ पूरी तरह से रेसिप्रोकल नहीं होंगे। मैं ऐसा कर सकता था, लेकिन यह बहुत से देशों के लिए कठिन होता। हम ऐसा नहीं करना चाहते थे। भारत के अलावा चीन पर 34 प्रतिशत, यूरोपीय यूनियन पर 20 प्रतिशत, साउथ कोरिया पर 25 प्रतिशत, जापान पर 24 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत और ताइवान पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। अमेरिका ने करीब 60 देशों पर उनके टैरिफ की तुलना में आधा टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसे लेकर भारतीय अधिकारियों का कहना है कि वे ट्रम्प के लगाए टैरिफ का आकलन कर रहे हैं। भारत का फोकस जवाबी टैरिफ लगाने पर नहीं, बल्कि बातचीत के जरिए अमेरिका की चिंताओं को दूर करने पर है। अमेरिका में आने वाले सभी सामान पर 10 प्रतिशत बेसलाइन (न्यूनतम) टैरिफ लगेगा। बेसलाइन टैरिफ 5 अप्रैल को और रेसिप्रोकल टैरिफ 9 अप्रैल को रात 12 बजे के बाद लागू होंगे। बेसलाइन टैरिफ व्यापार के सामान्य नियमों के तहत आयात पर लगाया जाता है, जबकि रेसिप्रोकल टैरिफ किसी अन्य देश के टैरिफ के जवाब में लगाया जाता है।

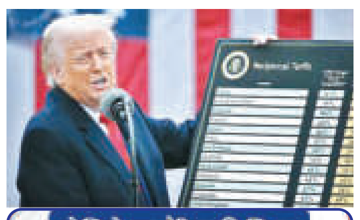

रेसिप्रोकल टैरिफ की लिस्ट

देश	US पर टैरिफ	US द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ
चीन	67%	34%
वियतनाम	90%	46%
ताइवान	64%	32%
जापान	46%	24%
भारत	52%	26%
साउथ कोरिया	50%	25%
थाईलैंड	72%	36%
बांग्लादेश	74%	37%
इजरायल	33%	17%
ऑस्ट्रेलिया	10%	10%
पाकिस्तान	58%	29%
श्रीलंका	88%	44%
म्यांमार	88%	44%

हमारी इकोनॉमी इस टैरिफ को झेल सकती है: भारत

ट्रम्प के जैसे को तैसा टैरिफ की घोषणा के बाद भारत की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया आई है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि वह 26 प्रतिशत टैरिफ के प्रभाव का आकलन कर रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि इस टैरिफ का कुछ क्षेत्रों पर असर होगा, लेकिन भारत की इकोनॉमी इसे झेल सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक अधिकारी ने बताया कि ट्रम्प प्रशासन में ऐसे प्रावधान हैं कि अगर भारत अमेरिका की चिंताओं को दूर करता है, तो टैरिफ में कुछ छूट मिल सकती है। भारत इस दिशा में कदम उठाने पर विचार कर रहा है।

राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल को लेकर जमकर हुई बहस

हम संविधान से चलते हैं, वो बस किताब ही दिखाते हैं :जेपी नड्डा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल 2025 पर चर्चा के दौरान सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा- हमारा प्रयास है कि वक्फ के काम पारदर्शिता आए। अपने संबोधन की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- मुझे उम्मीद है कि सदन इस बिल का समर्थन करेगा। इस बिल का मूल उद्देश्य वक्फ की संपत्ति का रखरखाव करना है। इस बिल पर काफी चर्चा हुई है। मैं इस बिल को लेकर कहना चाहता हूं, इसके खिलाफ जो भ्रम फैलाया जा रहा है उसका विरोध करता हूं। इस बिल को लेकर 2013 बने जेपीसी में सिर्फ 13 सदस्य थे, अब इस बिल को लेकर बने जेपीसी में 31 सदस्य थे।

जेपी नड्डा ने कई मुस्लिम देशों का जिक्र करते हुए कहा, वहां पर वक्फ की संपत्ति का रखरखाव सरकारें करती हैं। लेकिन हम तो बस रखरखाव और नियमों से चलने की बात कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि वक्फ की संपत्ति का दुरुपयोग न हो इस लिए ये बिल लाया गया है। इस दौरान जेपी नड्डा ने 2013 वक्फ बिल की कमियां और 2025 के वक्फ बिल की खूबियां भी गिनाई। जेपी नड्डा ने कहा - विपक्ष के लोग जेब में संविधान की किताब लेकर घूमते हैं, हमेशा दिखाते रहते हैं, लेकिन पढ़ते नहीं, इस्तेमाल नहीं करते हैं।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ लोगों को भड़काने का षडयंत्र : सनवर

भोपाल। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन बिल का सभी को स्वागत करना चाहिए और इस बिल का हर कोई स्वागत कर रहा है। इसका विरोध सिर्फ कांग्रेस और सपा जैसे राजनीतिक दल कर रहे हैं, जो मुस्लिमों के हितैषी नहीं हैं बल्कि उनका इस्तेमाल वोट बैंक की तरह करना चाहते हैं। इस बिल का विरोध ऐसे लोग भी कर रहे हैं जो वक्फ बोर्ड की आड़ में भू-माफिया बनकर मोटी कमाई कर रहे हैं।

पुरानी देनदारी चुका कर विकास के विविध पैमानों पर आगे बढ़ रहा है राज्य : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार जनहितैषी संकल्पों के साथ अग्रसर है। उद्योग-व्यापार से लेकर खेलों तक राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार के मार्गदर्शन और नीति आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक विभाग में सुशासन के मूल भाव के साथ गतिविधियों की मॉनिटरिंग जारी है। राज्य सरकार के हर विभाग ने अपने-अपने क्षेत्र में श्रेष्ठतम कार्य करने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर अपनी पुरानी देनदारी चुका कर, नई दृष्टि से विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रही है ।विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कार्यों का विस्तार इन्हीं दृढ़संकल्पों की परिणीती है। राज्य सरकार, प्रदेशवासी और अधिकारी-कर्मचारी एकजुट होकर एक भावना के साथ प्रगति पर अग्रसर हों, इसी मंशा के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, बावजूद इसके गत वर्ष की तुलना में बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई। कुशल वित्तीय प्रबंधन और सभी के सहयोग से सरकार हर क्षेत्र में अपने तय लक्ष्यों को प्राप्त कर रही है। मुख्यमंत्री ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

पीएम मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की

भारत-थाईलैंड आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं, बढ़ाएंगे रणनीतिक साझेदारी

बैंकॉक ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच सदियों पुराने संबंध हैं। ये संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं। हमने भारत-थाईलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है।

पीएम मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। जिसके बाद उन्होंने शिनावात्रा के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान मोदी ने कहा कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच

पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग पर जोर दिया है। मोदी ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति और इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। इसके अलावा, मोदी ने 28 मार्च को थाईलैंड में आए भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। पीएम ने कहा कि मैं भारत के लोगों की तरफ से भूकंप में हुई जनहानि के लिए गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

डाक टिकट जारी करने के लिए थाई सरकार का आभारी हूं: मोदी

पीएम मोदी की यात्रा के दौरान थाई सरकार ने 18वीं सदी के 'रामायण' भित्ति चित्रों पर आधारित डाक टिकट जारी किए, जिसके लिए पीएम मोदी ने थाई सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरी यात्रा के दौरान डाक टिकट जारी करने के लिए मैं थाई सरकार का आभारी हूं।

दिलों और परंपराओं को जोड़ती है रामायण : मोदी

मोदी 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर बैंकॉक पहुंचे। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने रामकियेन (थाई रामायण) का मनमोहक प्रदर्शन देखा। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, एक ऐसा सांस्कृतिक जुड़ाव जो किसी और जैसा नहीं था!

प्रधानमंत्री को भेंट की गई पवित्र ग्रंथ 'वर्ल्ड तिपिटक', पीएम ने शिनावात्रा को दिया धन्यवाद

बैंकॉक । थाईलैंड की राजकीय यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटर्न शिनावात्रा ने 'वर्ल्ड तिपिटक' नामक पवित्र ग्रंथ भेंट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने हाथ जोड़कर उपहार स्वीकार करते हुए 'बुद्ध भूमि' भारत की ओर से प्रधानमंत्री शिनावात्रा को उपहार के लिए धन्यवाद दिया। थाई सरकार ने इस पवित्र ग्रंथ को 2016 में राजा भूमिबोल अदुल्यादेज (राम IX) और रानी सिरिकित के 70 वर्षों के शासन को सम्मान देने के लिए प्रकाशित किया था। यह भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का संकलन है, जिसमें पाली तिपिटक के नौ मिलियन से अधिक अक्षरों का शुद्ध उच्चारण दिया गया है। थाईलैंड की सरकार इसे 'शांति और ज्ञान का उपहार' बताते हुए 30 से अधिक देशों को भेंट कर चुकी है। पीएम मोदी ने इस उपहार को स्वीकार करते हुए कहा, पीएम शिनावात्रा ने मुझे अभी तिपिटक भेंट किया। बुद्ध भूमि भारत की ओर से मैंने इसे हाथ जोड़कर स्वीकार किया।

महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का 3611 करोड़ का बजट पेश किया

भोपालवासियों पर बढ़ा बोझ, प्रॉपर्टी टैक्स में 10, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की हुई बढ़ोतरी

भोपाल ■ निसं

गुरुवार को महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का बजट पेश किया। बीते बजट से इस बार 300 करोड़ ज्यादा का बजट पेश किया गया। नगर सीमा में प्रविष्ट होने वाले मुख्य मार्गो पर हेरिटेज प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के लिए 3000 लाख यानी 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

भोपाल नगर निगम का आज बजट पेश किया जा रहा है। 3611 करोड़ का बजट पेश किया गया है। भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की बढ़ोतरी की गई है। इससे भोपाल के पौने 3 लाख नल कनेक्शन और 5.62 लाख प्रॉपर्टी टैक्स उपभोक्ता प्रभावित होंगे। बता दें कि गुरुवार को महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का बजट पेश किया। बीते बजट से इस बार 300 करोड़ ज्यादा का बजट पेश किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 की अनुमानित आय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये के विरूद्ध अनुमानित व्यय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये प्रस्तावित है। राजस्व आय की 5 प्रतिशत रिजर्व राशि एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये रखने के उपरांत एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये संभावित घाटे का बजट सदन के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत है।

नगर सीमा में प्रविष्ट होने वाले मुख्य मार्गो पर हेरिटेज प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के लिए 3000 लाख यानी 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष निधि हेतु राशि 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। निगम सीमा अंतर्गत स्थित फिल्टर प्लांटों में सौर उर्जा प्लांट की स्थापना कार्य हेतु राशि. 150 लाख का प्रावधान किया गया है। जल सरंचना, हरित क्षेत्र के विकास कार्य हेतु तीन करोड़ का प्रावधान किया गया है। अयोध्या बायपास रोड पर स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य हेतु राशि 400 लाख का प्रावधान किया गया है। विसर्जन घाटों का विकास कार्य हेतु राशि 3200 लाख का प्रावधान किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत राशि 500 लाख का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा के समीप सामुदायिक स्थल सह खेल मैदान विकास के निर्माण कार्य हेतु राशि 300 लाख का प्रावधान किया गया है। जोन कार्यालय स्तर पर जोन अध्यक्ष निधि अंतर्गत (प्रति जोन 10.00 लाख) राशि 210.00 लाख का प्रावधान किया गया है। छोला दशहरा मैदान के विकास कार्य हेतु राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है।

भोपाल शहर के मुख्य मार्गों के सौंदर्गीकरण कार्य हेतु राशि रू. 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। शालाओं में निर्माण/विकास कार्य हेतु शिक्षा उपकर राशि 3065.94 लाख का प्रावधान किया गया है।

गीता भवन निर्माण कार्य हेतु राशि 20 करोड़ का प्रावधान किया गया

बजट में भोपाल शहर में गीता भवन निर्माण कार्य हेतु राशि 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है। निगम कर्मचारियों की छात्र/छात्राओं को कक्षा 10वीं व 12वीं में मैरिट प्राप्त किये जाने के फलस्वरूप प्रोत्साहन राशि 10000 प्रति छात्र-छात्रा का प्रावधान किया गया है। शहर में पार्कों के विकास कार्य हेतु राशि 1200 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन हेतु राशि 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शहर के विकास एवं विशेषत : वार्डों के विकास कार्य हेतु प्रति वार्ड 50 लाख रू. वार्ड नियोजन निधि के रूप में कुल राशि रुपये 4250 लाख का प्रावधान किया गया है।

विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य हेतु राशि रु 1500 का प्रावधान किया गया

भोपाल शहर की विभिन्न सड़कों के अनुरक्षण हेतु राशि 3000 लाख का प्रावधान किया गया है। जीआईएस अंतर्गत किये गये सौन्दर्गीकरण कार्यों के अनुरक्षण एवं संधारण हेतु राशि रू 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। वार्डों के समग्र विकास हेतु विशेष निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। नगर विकास हेतु विशेष निगम निधि अंतर्गत 500 लाख का प्रावधान किया गया है। महापौर परिषद सदस्य निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य हेतु राशि रु 1500 का प्रावधान किया गया है। निगम के सफाई मित्रों को वर्दीयां तथा रैन कोट प्रदान किये जाने हेतु राशि 200 लाख का प्रावधान किया गया है।

शंकराचार्य धाम कॉलोनी के शंकर मंदिर से चोरों ने दान पेटी से की चोरी

भोपाल ■ निसं

शंकराचार्य धाम कॉलोनी जेल रोड करोद में भगवान शंकर के मंदिर की दान पेटी में रखी राशि सुबह 6~00 बजे चोर उडा लें गये चोर चोरी करने के लिए भगवा कलर के कपड़े पहनकर मंदिर में आया था दान पेटी का ताला तोड़कर लगभग10,000 से अधिक की राशि चोरी करके ले गया पुलिस को सूचना दी गई शंकराचार्य धाम विकास कॉलोनी की समिति ने बिल्डर से गार्ड बदलने की मॉग की एवं कॉलोनी की सुरक्षा मजबुत बनाने को कहा गया कॉलोनी के राधेश्याम शर्मा, मनोज धावडिया, के .के मिश्रा, महादेव वाडेकर, राजकुमार मिश्रा ,हैमन्त मिश्रा, सीएल अहिरवार ने चौरी घटनाओ को रोकने की पुलीस से माग की है

मुरली नगर के दुर्गा मंदिर में मंत्री विश्वास सारंग महाआरती में हुए शामिल

भोपाल ■ निसं

बैरसिया रोड़ स्थित मुरली नगर कालोनी में मां दुर्गा मंदिर में चैत नवरात्रि के चलते मातारानी की महाआरती की गई जिसमें बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी उपस्थित हुए मुख्य अतिथि खेल युवा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पूजा अर्चना कर महाआरती की।

इस अवसर पर सर्व श्री नीरज पचौरी मंडल अध्यक्ष, बब्लेश राजपूत गौतम जयसवाल , पराग गोयल , पीयूष मीणा ,राज चौहान , रौनक राठौर , निखिल , तनिष्क शर्मा तनुज शर्मा ,रौनक श्रीवास्तव, आर्यन पटेल, अमित मीणा ,रामजी पाठक ,ओम जी ,अंकित , शिवम , अनिकेत , आदित्य ,नीतू जयसवाल, अंजु शर्मा आदि उपस्थित थे।

बिजली कंपनी में कार्यरत सभी श्रेणी के कर्मचारी योजना में शामिल

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा। शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी। कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी/ संविदा/ आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा है कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के बाद बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। कंपनी ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ जांच एवं वसूली के कार्य में शामिल बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों को भी परितोषिक योजना के तहत दी जाने वाली 2.5 (ढाई) प्रतिशत प्रोत्साहन राशि को सभी संबंधितों को समान रूप में दिया जाना निर्धारित किया गया है।

16 वारदातों का खुलासा, 2 लाख 70 हजार के मोबाइल बरामद

कटनी से ट्रैन से आकर चोरी कर ट्रैन से ही वापस भागने वाली महिला सहित दो गिरफ्तार

रात या अलसुबह रैकी कर माल चोरी कर ट्रैन से वापस भाग जाते थे आरोपी

भोपाल ■ निसं

देहात क्षेत्र की बागसेवनिया थाना पुलिस ने ऐसे गिरोह को दबोचा है, जो ट्रैन से कटनी से रात के समय भोपाल स्टेशन आता था। इसके बाद रात या अलसुबह के समय रैकी करते हुए गहरी नींद में सो रहे लोगो के कमरो में घुसकर कीमती मोबाइल चोरी कर वापस ट्रैन में सवार होकर कटनी चला जाता। पुलिस ने शातिर महिला चोर सहित उसके साथी को दबोचते हुए करीब 16 मोबाइल चोरी की वारदातो का खुलासा किया है। आरोपियो के पास से पौने तीन लाख के कीमती मोबाइल फोन जप्त किये गये है। दोनों आरापी कटनी के रहने वाले हैं। बागसेवनिया टीआई निरी.अमित सोनी ने जानकारी देते हुए बताया की नारायण नगर में रहने वाले अंशुल कुमार गौर निवासी स्वास्थ्य अस्पताल के पास नारायण नगर थाना बागसेवनिया ने लिखित शिकायत करते हए बताया था, की वह पढ़ाई करता है। बीती 31 मार्च की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह अपना आईफोन और वन प्लस मोबाइल चार्जिंग पाइंट पर लगाकर नहाने के लिये बाथरूम चला गया था। थोड़ी देर बाद जब वह वापस लौटा तो उसके दोनों मोबाइल फोन चोरी हो चुके थे। इसी तरह वर्धमान अस्पताल के पास विद्या नगर में रहने वाले रितिक बतरा ने अपनी शिकायत में बताया था की वह एक कैफे में काम करता है।

31 मार्च की रात करीब दो बजे वह अपने दोस्तों वीरेंद्र रजक, रवि अहिरवार और बृजेश पाल के साथ रूम में सोया था। उस समय कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। अगली सुबह करीब साढ़े दस बजे रितिक की नींद खुली तो देखा की उसके और चारो दोस्तों के कीमती मोबाइल फोन अज्ञात आरोपी चोरी कर ले जा चुका हैं। पुलिस ने फरियादियो की शिकायत पर जॉच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उनकी तलाश शुरु की।

सड़क किनारे खड़े होकर रैपिडो बुक कर रहे युवक का बदमाश ने स्मार्टफोन लूटा

भोपाल। राजधानी के हबीबगंज थाना इलाके में सड़क किनारे खड़े होकर रैपिडो बुक कर रहे युवक को धक्का देकर अज्ञात बदमाश उसका कीमती स्मार्टफोन छीनकर तेजी से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फरियादी आकाश त्रिपाठी ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की बुधवार रात करीब 11 बजे वह सड़क किनारे खड़े होकर मोबाइल हाथ में पकड़कर रैपिडो बुक कर रहा था। उसी समय अज्ञात बदमाश तेजी से आया और उसे धक्का देते हुए हाथ में पकड़ा 30 हजार कीमत का फोन छीनकर भाग गया। इससे पहले युवक कुछ संभल पाता आरोपी वहॉ से भाग चुका था। शिकायत मिलने पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस उसकी पहचान जुटाने के लिये घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाले रही हैं।

पुस्तक समीक्षा-बिग कंट्री, लिटिल बिज़नेस

छोटे व्यवसायों की बड़ी संभावनाओं को समझाने वाली एक प्रभावशाली मार्गदर्शिका

भोपाल ■ निसं

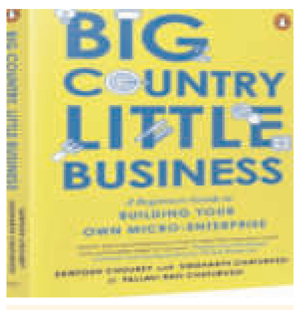

भारत सदियों से छोटे व्यवसायों और उद्यमशीलता की भूमि रहा है। यहां की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों द्वारा संचालित होता है। बिग कंट्री, लिटिल बिज़नेस इसी उद्यमशीलता भावना को नया आयाम देने वाली पुस्तक है, जिसे श्री संतोष चौबे, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी और डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से लिखा है। यह पुस्तक उन लोगों के लिए एक संपूर्ण मार्गदर्शिका है, जो अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं और उसे सफल बनाना चाहते हैं।

एक समग्र दृष्टिकोण: यह पुस्तक केवल एक प्रेरणादायक कथा नहीं है, बल्कि यह व्यावहारिक दृष्टिकोण से नए और छोटे व्यवसायों की सफलता के सूत्र प्रस्तुत करती है। इसमें 100 से अधिक व्यावसायिक विचार, फंडिंग के साधन, नेटवर्किंग टिप्स और उद्यमिता से जुड़े विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया गया है। लेखकों ने अपने दशकों के अनुभव के आधार पर यह पुस्तक तैयार की है, जिसमें वे बताते हैं कि कैसे सही रणनीति और संसाधनों के उपयोग से छोटे व्यवसायों को बड़े स्तर पर स्थापित किया जा सकता है।

नए उद्यमियों के लिए एक व्यावहारिक गाइड

आज के दौर में, जब स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है, यह पुस्तक न केवल बिजनेस शुरू करने के बारे में बताती है, बल्कि यह भी समझाती है कि आमतौर पर होने वाली गलतियों से कैसे बचा जाए। इसमें फंडिंग प्राप्त करने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने, डिजिटल युग में व्यवसाय को बढ़ाने और सही नेटवर्किंग के माध्यम से बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई हैं।

पैसेंजर एवं संड्री अर्निंग में पश्चिम मध्य रेल अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा

पश्चिम मध्य रेलवे ने बीते वर्ष में 8200 करोड़ से अधिक अर्जित किया ओरिजनेटिंग रेवेन्यू

भोपाल ■ निसं

पश्चिम मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के निरंतर मॉनेटरिंग के चलते पश्चिम मध्य रेलवे की ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू में वृद्धि हुई हैं। जिसमें वाणिज्य/परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा कार्य करते हुए जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों ने रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास भी किये जा रहे हैं।

पश्चिम मध्य रेल ने बीते वित्तीय वर्ष में पैसेंजर एवं संड्री अर्निंग में अब तक का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल की हैं।

इस वित्तीय वर्ष के अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक पश्चिम मध्य रेल ने लगभग कुल रुपये 8201 करोड़ 97 लाख का ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है। जिसमें मद वाइस आय पर नजर डालें तो यात्री यातायात से रुपये 2424 करोड़ 33 लाख, माल यातायात से रुपये 5245 करोड़ 22 लाख, अन्य कोचिंग मद में रुपये 176 करोड़ 45 लाख एवं विविध आय यानि संड्री से रुपये 355 करोड 97 लाख का रेलवे राजस्व प्राप्त किया है।

यात्री यातायात में रेलवे राजस्व बढ़ाने के लिए पमरे द्वारा निम्नलिखित प्रयास किये गए-

- यात्रियों के लिए रेल यात्रा को सुरक्षित और बेहतर बनाया गया।
- स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा हैं।
- पमरे से चलने वाली स्पेशल ट्रेनों की संचालन अवधि को विस्तारित कर चलाया जा रहा हैं।
- यात्री ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के लिए अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं।
- पश्चिम मध्य रेल में मिलने वाले प्रायोगिक ठहराव की अवधि यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बढ़ाया जा रहा हैं।
- अधोसरंचना कार्यों में गति प्रदान कर यात्री ट्रेनों की गति में वृद्धि की गई साथ ही समयपालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

माल यातायात में रेलवे राजस्व बढ़ाने के लिए पमरे द्वारा निम्नलिखित प्रयास किये गए-

मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि करके अलग-अलग रेल खण्ड की क्षमता में वृद्धि और इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया गया। माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएं दी जा रही।

भोपाल में बूंदाबांदी, सीहोर-बालाघाट में पानी गिरा

कई जिलों में छाए बादल, 25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश में गुरुवार को भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बालाघाट में सुबह बूंदाबांदी के बाद दोपहर में तेज बारिश हुई। वहीं सीहोर में शाम को रिमझिम बारिश हुई है। भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। भोपाल में तो कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हुई है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से खरगोन, खंडवा, हरदा और बैतूल में ओले गिर सकते हैं। ग्वालियर-जबलपुर समेत आधे एमपी में आंधी और हल्की बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, श्योपुर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, रीवा, मैहर, पन्ना, कटनी, सीहोर में गरज-चमक और हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

मंदसौर-सागर में ओले गिरे, डिंडौरी-छिंदवाड़ा में बारिश

इससे पहले मंदसौर के गरोठ और शामगढ़ में ओले गिरे। सागर के ग्रामीण इलाकों में भी देर रात बारिश के साथ ओले गिरे। जैसीनगर क्षेत्र के कंदेला में इनका आकार बेर के बराबर था। गौरझामर इलाके में भी बारिश हुई। सागर शहर में रात 3 से सुबह 5 बजे के बीच हल्की बारिश हुई। गुरुवार सुबह से धूप-छांव का दौर जारी है। वहीं, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, मंडला, सिवनी, उमरिया समेत कई शहरों में बारिश हुई।

हनुमान जयंती मेला 2025 के अवसर पर

भोपाल - इटावा के बीच अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन

भोपाल ■ निसं

यात्रियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल द्वारा डॉ. हनुमान जयंती मेला 2025 के अवसर पर भोपाल - इटावा - भोपाल के मध्य अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है।

डॉ. हनुमान जयंती मेला, उत्तर प्रदेश के इटावा ज़िले स्थित पथरेश्वर धाम में प्रतिवर्ष भव्य रूप से आयोजित होता है, जिसमें देशभर से लाखों श्रद्धालु भगवान श्री हनुमान जी के दर्शन हेतु एकत्र होते हैं। इस दौरान क्षेत्र में भारी संख्या में यात्रियों की आवाजाही होती है। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्रीभार को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 01601/01602 भोपाल - इटावा - भोपाल मेला स्पेशल का संचालन कुल 07 फेरे के रूप में किया जाएगा।

पथरेश्वर धाम, इटावा (उत्तर प्रदेश) - यह डॉ. हनुमान जयंती मेला का प्रमुख स्थल है, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में भगवान बजरंगबली के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसका निकटतम रेलवे स्टेशन 'इटावा जंक्शन 'है, जो पथरेश्वर धाम मंदिर से मात्र 4 से 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

गाड़ी संख्या 01601 भोपाल से इटावा

यह गाड़ी भोपाल स्टेशन से प्रात : 04.50 बजे प्रस्थान करेगी और मार्ग में क्रमश : विदिशा (05.31 बजे), गंज बासौदा (06.01 बजे), मंडी बामौरा (06.24 बजे), बीना (06.45 बजे), मुंगावली (07.20 बजे), अशोक नगर (07.57 बजे), गुना (09.15 बजे), बदरवास (10.22 बजे), कोलारस (11.13 बजे), शिवपुरी (11.35 बजे), मोहाना (12.26 बजे), घाटीगांव (12.53 बजे), पनिहार (13.11 बजे), ग्वालियर (14.10 बजे), शनिचरा (14.32 बजे), मालनपुर (14.44 बजे), जांवल (15.01 बजे), सोनी (15.17 बजे), भिंड (15.55 बजे) होते हुए इटावा स्टेशन पर अपराह्न 16.55 बजे पहुंचेगी।

न्यू मीडिया में जितनी चुनौतियां हैं, उतने ही अवसर भी

पब्लिक रिलेशन काउंसिल आफ इंडिया का स्थापना दिवस समारोह संपन्न

भोपाल ■ निसं

एआई और डिजिटल मीडिया में सूचनाओं का अंबार है और इसलिए अत्यधिक सूचनाओं के कारण हमारे सामने कई चुनौतियां हैं। लेकिन इन चुनौतियों के साथ-साथ हमारे लिए अनेक अवसर भी उपलब्ध हुए हैं। यह हमारे ऊपर है कि हम इन अवसरों को किस प्रकार से भुनाते हैं। इस आशय के विचार दैनिक भास्कर , भोपाल के संपादक श्री सतीश कुमार सिंह ने पब्लिक रिलेशन काउंसिल आफ इंडिया (पीआरसीआई) के 21 वें स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम में व्यक्त किए । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए श्री सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि सिर्फ कोरी सूचनाएं देने से उनका कोई अर्थ नहीं होता, जब तक कि उन सूचनाओं में हम मानवीय संवेदनाओं को नहीं जोड़ते, तब तक हम उन सूचनाओं को प्रभावी तरीके से अपने टारगेट तक नहीं पहुंचा सकते। उन्होंने प्रभावी संवाद के लिए सूचनाओं के साथ मानवीय संवेदनाओं को जोड़ने के महत्व पर बल दिया।

इसके पूर्व सेज यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉक्टर मयंक सक्सेना ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि जो छात्र चाहे वह इंजीनियरिंग के विद्यार्थी हों ,मैनेजमेंट के हों अथवा साइंस या कॉमर्स के विद्यार्थी हों ,उन सभी के लिए एक जरूरी स्किल है- अपने लक्ष्य समूह के साथ बेहतर संवाद कायम करना। यह तभी संभव हो सकता है जब आप संवाद या कम्युनिकेशन की बारीकियों को समझें। कार्यक्रम में पीआरसीआई, मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष श्री प्रशांत पाठराबे ने कहा कि आज के समय में नॉलेज ही पावर है। उन्होंने कहा कि जिसके पास जितनी अधिक सूचनाएं होंगी वह उनका उतना ही बेहतर तरीके से इस्तेमाल अपने हित में कर सकता है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क मात्र अपनी बात आम जनता तक पहुंचाने का एक जरिया ही नहीं है बल्कि क्षेत्र विशेष की समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने में भी अपनी प्रभावी भूमिका अदा कर सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश जैसे विशाल प्रदेश में किसानों को लेकर हमें एक अलग तरह से प्रयास करने होंगे। किसानों के मुद्दे, उनकी समस्याएं, उनके फसलों की मार्केटिंग, उनके प्रबंधन को लेकर उन्हें बेहतर तरीके से समझा पाना संवाद का असली उद्देश्य होगा । श्री पाठराबे ने कहा कि जनसंपर्क का सबसे बड़ा लक्ष्य यही है कि हम अपने लक्ष्य समूह तक अपनी बात तो पहुंचाएं ही, साथ ही उसको हम अपने संवाद से कितना फायदा पहुंचा रहे हैं यह भी गौर करने वाली बात होगी। इसके पूर्व श्री पाठराबे ने पीआरसीआई की कार्य प्रणाली और देश में इस संगठन के कार्यकारी तंत्र के बारे में बताया।

उज्जैन । पूर्व मुख्यमंत्री साध्वी सुश्री उमा भारती ने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन - पूजन किये। पूजन श्री ओम पुजारी द्वारा सम्पन्न करवाया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उपप्रशासक श्री एस.एन.सोनी द्वारा सुश्री उमा भारती का सम्मान किया गया।

एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर की शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशा पर व्याख्यान एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय %एक राष्ट्र-एक चुनाव% था द्य कार्यक्रम में जन भागीदारी अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल ने मां सरस्वती का पूजन कर शुभारंभ किया ।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राजेश कुमार रघुवंशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव का मतलब है देश में लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराना । इसका मतलब है कि लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होंगे और मतदान भी एक साथ होगा।हालाँकि, भारत में, राज्य विधानसभाओं और संसद के सदस्यों के चुनाव के लिए आम चुनाव अलग-अलग आयोजित किए जाते हैं, जब मौजूदा सरकार का कार्यकाल समाप्त हो जाता है या किसी कारण से भंग हो जाती है। इस प्रकार, सरकार ने भारत में एक राष्ट्र एक चुनाव का प्रस्ताव रखा और एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा की संभावना का पता लगाने के लिए भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था उन्होंने एक राष्ट्र एक चुनाव के फायदे एवं नुकसान दोनों पर विद्यार्थियों से चर्चा कीद्य जन भागीदारी अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल कहा इस विषय को देश का ज्वलंत मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि सभी स्तर के चुनावों को एक साथ कराने से चुनावी खर्च में कमी आएगी।

चुनावी खर्च जनता की जेब से जाता है। इसलिए इस मुद्दे की चुनौतियों और संभावनाओं पर गंभीर चर्चा जरूरी है।भारतीय लोकतंत्र की विशाल रथ है उन्होंने कहा कि संसद, विधानसभा, नगर निगम और ग्राम पंचायत इस रथ के पहिए हैं। उन्होंने एक साथ चुनाव कराने के कई फायदे गिनाए। इनमें सरकारी खर्च में कमी, समय की बचत, मुफ्त की घोषणाओं से मुक्ति और विकास कार्यों में गति शामिल हैं। इस निबंध प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व प्रथम स्थान पर रवि कुशवाहा बी ए द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान पर रुचि गौर बीएससी प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान पर ऋचा गौर बीएससी प्रथम वर्ष रहे ।

जन भागीदारी अध्यक्ष ने श्री राजेंद्र जी पालीवाल ने विद्यार्थी को प्रोत्साहित करने के लिए कहा कि अगले कार्यक्रम में समस्त प्रतिभागी को उन्हें पुरस्कार एवम प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ मोहन सिंह गुर्जर एवं श्रीमती विजय श्री मालवीय का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम का संचालन श्रीमती गीता डोंगरे द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित है।।

संक्षिप्त समाचार

आयुष्मान भारत योजना समीदा बी के लिए हुई वरदान साबित

खण्डवा । खण्डवा शहर के घासपुरा निवासी समीदा बी पति मोहम्मद रियाज को अचानक सीने में असहनीय दर्द होने पर उन्हें श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय सह नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खंडवा में 2 अप्रैल को भर्ती किया गया था। मरीज को पूर्व में ब्लड प्रेशर की और शुगर की शिकायत थी और भर्ती के समय उनका ब्लड प्रेशर कम था। एम.डी. मेडिसिन डॉ. रंजीत बडोले द्वारा सभी जांचें करवाई गई। जांच में पाया गया कि मरीज को हार्ट अटैक के साथ ही कंपलीट हार्ट ब्लॉकेज है, जो ई.सी.जी. रिपोर्ट में स्पष्ट हुई है। डॉ. बड़ोले ने बताया कि समीदा बी को इंजेक्शन एवं दवाई देकर उसकी जान बचाई गई और वे अब स्वस्थ है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निरंतर सफाई एवं जल संरक्षण के कार्य जारी

खण्डवा । जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शहर में प्रतिदिन विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज नगर निगम के द्वारा नाले एवं घाटों की सफाई का कार्य किया गया। नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रियंका राजावत ने बताया कि खण्डवा शहर के गौशाला चौराहे पर नाले की सफाई एवं मलबा निकालने का कार्य किया गया। इसके अलावा ऊंट कुआं नाले की सफाई करवाई गई ताकि जल निकासी सुचारू रूप से हो सके। उन्होंने बताया कि गणगौर घाट पर भी सफाई की गई, जिससे घाट क्षेत्र स्वच्छ एवं सुंदर बना रहे। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण और स्वच्छता सुनिश्चित करने हेतु यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। नगर निगम आयुक्त श्रीमती राजावत ने शहरवासियों से अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं।

सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जन्म से 10 वर्ष की बालिकाओं के खोले जा रहे खाते

योजना का लाभ दिलाने के लिए आयोजित किए जा रहे शिविर

खण्डवा । सुकन्या समृद्धि योजना का उद्देश्य माता-पिता को अपनी बेटी की भविष्य की शिक्षा और विवाह के लिए एक कोष बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। जिला लीड बैंक अधिकारी श्री संजय गरोड़ी ने बताया कि इस योजना में प्रतिवर्ष 250 रुपये से शुरू और अधिकतम 1,50,000 रुपये की धनराशि के साथ किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में खाता खोला जा सकता है। यह बालिकाओं के लिए सरकार द्वारा समर्थित बचत योजना है, जिसे उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से शिक्षा और विवाह के लिए, कर लाभ और 21 साल की अवधि के लिए होता है। यह खाता कन्या के जन्म से लेकर 10 वर्ष तक खोला जा सकता है। इस योजना का लाभ प्रत्येक परिवार में 2 कन्याओं के लिये उठा सकते है। जिला लीड बैंक अधिकारी श्री गरोड़ी ने बताया कि 50 प्रतिशत की धनराशि 18 वर्ष पूर्ण होने पर निकाली जा सकती है।

कलेक्टर गुप्ता ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

सीमांकन के कार्य को शीघ्रता के साथ पूर्ण किया जाये - कलेक्टर

कार्य में लापरवाही बरतने पर ग्राम भैंसावा पटवारी बरखने को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के दिए निर्देश

खंडवा ■ निसं

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री किसान के तहत किसानों की फार्मर आई.डी. तैयार करने के कार्य की समीक्षा की। उन्होंने सभी एस.डी.एम. को शीघ्रता से कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वामित्व योजना के तहत लंबित ग्रामों की समीक्षा की। उन्होंने ग्राउंड टूथिंग में लंबित ग्रामों की समीक्षा करते हुए प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशन समय सीमा में करने के निर्देश तहसीलदारों को दिये। बैठक में कलेक्टर गुप्ता ने कार्य में लापरवाही बरतने पर ग्राम भैंसावा के पटवारी अरुण बरखने को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये।

बैठक में कलेक्टर गुप्ता ने आधार खसरा लिंकिंग की प्रग्रति की तहसीलवार समीक्षा की। छैगांवमाखन एवं पंधाना में प्रग्रति कम होने पर शीघ्रता से कार्य करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में उन्होंने पीएम किसान स्व पंजीकरण रिपोर्ट, भौतिक सत्यापन रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने किसानों के ई-केवाईसी की समीक्षा करते हुए शीघ्रता से कार्य करने के निर्देश सभी तहसीलदारों को दिये। कलेक्टर गुप्ता ने तहसीलदारों से कहा कि पटवारियों द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने फसल कटाई प्रयोग रबी वर्ष 2024-25 की समीक्षा कार्य हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर गुप्ता ने मजरा-टोला कार्य की प्रग्रति देखीं। उन्होंने कहा कि ऐसे मजरे-टोले, फलियाँ जिन्हें राजस्व ग्राम बनाया जा सकता है, उन्हें शीघ्रता से राजस्व ग्राम बनाया जाये। उन्होंने जिले में सेवा भूमि की जानकारी ली। तहसीलदारों को निर्देश दिये कि सेवा भूमि किसी प्राइवेट व्यक्ति के नाम पर दर्ज ना हो। साथ ही उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों में जो सेवा भूमि है वो शत प्रतिशत नजूल भूमि में आ जाएं, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उन्होंने भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व से संबंधित वसूली की प्रग्रति देखी।

बैठक में कलेक्टर गुप्ता ने आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा के प्रकरणों की तहसील न्यायालयवार समीक्षा की। उन्होंने तहसीलदारों से कहा कि नामांतरण को खारिज करने से पूर्व सूक्ष्मता से जाँच करें एवं सीमांकन के कार्य को शीघ्रता से किया जाए। इस दौरान निर्देशित किया गया कि सभी प्रकरणों का निराकरण नियत समय सीमा में अनिवार्य रूप से किया जाए।

रीवा में सामूहिक दुष्कर्म के आठ वहशियों को उम्रकैद

पति को बंधक बनाया फिर पत्नी की लूटी थी अस्मत

रीवा ■ निसं

रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र में 21 अक्टूबर 2024 को एक दंपती के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने पांच महीने में फैसला सुनाया। आठों आरोपियों को आजीवन कारावास और 2.30 लाख रुपये जुर्माने की सजा मिली। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई कर सभी दोषियों को गिरफ्तार किया था।

रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र में 21 अक्टूबर 2024 को हुई दिल दहला देने वाली सामूहिक दुष्कर्म की घटना में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आठ आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस जघन्य अपराध के लिए दोषियों पर जुर्माना भी लगाया, जिसे न चुकाने पर उनकी सजा एक साल और बढ़ जाएगी। यह फैसला महज पांच महीने 12 दिन में सुनाया गया।

घटना उस समय हुई थी, जब एक दंपती भैरव बाबा मंदिर में दर्शन के लिए गया था। आठ बदमाशों ने पहले पति को बंधक बनाया और उसकी बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद

उसकी पत्नी को पास ले जाकर बारी-बारी से उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। दरिंदों ने इस घिनौने कृत्य का वीडियो भी बनाया और दंपती को धमकी दी कि अगर उन्होंने पुलिस में शिकायत की तो इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन रीवा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता ने 22 अक्टूबर को थाने में शिकायत दर्ज की थी, जिसके बाद मामला तेजी से कोर्ट में पहुंचा। रीवा पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन वहशियों ने पहले पति को पीटा और फिर पत्नी के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कीं। इस घटना के बाद प्रशासन में भी हड़कंप मच गया था। आरोपियों को जल्द से जल्द से गिरफ्तार किया गया।

नवरात्रि नौ देवीयों एवं 12 ज्योतिर्लिंगों का धार्मिक कार्यक्रम

कथा वाचक ब्रह्माकुमारी नीलम दीदी ने अपनी दिव्य वाणी से श्रद्धालुओं को अभिप्रेरित किया

सिवनी मालवा ■ निसं

नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर सिवनी मालवा में 12 ज्योतिर्लिंगों का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रसिद्ध कथा वाचक ब्रह्माकुमारी नीलम दीदी ने अपनी दिव्य वाणी से श्रद्धालुओं को अभिप्रेरित किया और धार्मिक कर्तव्यों के पालन के महत्व को बताया। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा किया गया, जिसमें सिवनी मालवा के लोगों ने बड़े श्रद्धा भाव से भाग लिया।

इस अवसर पर नीलम दीदी ने अपने प्रवचनों में नवरात्रि के महत्व और ज्योतिर्लिंगों की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नवरात्रि का समय आत्मशुद्धि और मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए श्रेष्ठ समय होता है। साथ ही, 12 ज्योतिर्लिंगों का दर्शन और पूजा धार्मिक जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के आयोजकों द्वारा यह धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में शांति, एकता और जागरूकता का प्रसार करना था। इस आयोजन ने सिवनी मालवा नगर के भक्तों को एकजुट किया और उन्हें आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

यह आयोजन नगर में धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ाने का एक अहम कदम साबित हुआ है, जिससे स्थानीय लोग आंतरिक शांति और सद्भावना के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

अवैध रूप से 14 नग सागौन के लट्ठे परिवहन करने वाले सात आरोपियों को न्यायालय में पेश किया

सिवनी मालवा। वन परिक्षेत्र बानापुरा सामान्य के अंतर्गत बीट बोरकुण्डा से अवैध कटाई कर सागौन लजसट्ठों का परिवहन कर लौट रही पिकअप वाहन नंदरवाड़ा नाके के पास पंचर हो जाने के बाद सागौन लट्ठे 14 नग को खाली कर पंचर वाहन लेकर अपराधी फरार हो गये थे। जिस पर कार्यवाही करने हेतु मुख्य वनसंरक्षक नर्मदापुरम वृत्त, नर्मदापुरम अशोक कुमार के मार्गदर्शन एवं वनमंडल अधिकारी महोदय नर्मदापुरम श्री मयंक सिंह गुर्जर के निर्देशन में टीम गठित की गई थी। टीम के द्वारा 07 आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। अवैध कटाई में संलिप्त वाहन पिकअप को भी -जप्त किया गया था। वाहन पर राजसात की कार्यवाहीं प्रस्तावित की गई हैं प्रकरण में संलिप्त 08 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर आज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में 15 आरोपियों के विरूद्ध म0प्र0 विनिर्दिष्ट वनोपज (विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 5 एवं 15 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 के अंतर्गत कार्यवाही की गई हैं।

आँचलखेड़ा पटवारी को जान से मारने की धमकी देने वाले पर केस दर्ज

माखननगर ■ निसं

तहसील क्षेत्र के ग्राम आँचलखेड़ा के हल्का पटवारी विजय सिंह चौहान से गाली गलौज कर जानसे मारने की धमकी देने का मामला उस वक्त सामने आया जब बुधवार को पटवारियों का समूह पुलिस थाने पहुंचा और आँचलखेड़ा निवासी मंतोष यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई ।

पटवारी विजय सिंह चौहान ने पुलिस को बताया कि घटना मंगलवार दोपहर उस वक्त की है जब मैं नमामि कम्प्यूटर पर बैठकर किसान आईडी बनाने का कार्य कर रहा था तभी वहां मंतोष यादव आया और गंदी गंदी गाली देते हुए बोला कि तूने गलत रिपोर्ट दी है । और

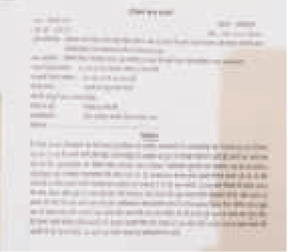

मारने पर उतारू हो गया तब मौजूद गांव कोटवार ओमप्रकाश मेहरा व संदीप यादव ने बीच बचाव किया । फिर बुधवार की रात फोन कर जान से मारने की धमकी दी तब पूरी घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया और बुधवार को पटवारी साथियों के साथ पुलिस को बताया । पुलिस ने केस दर्ज कर विवेचना मैं लिया ।

पुलिसकर्मी ने खड़ी कार में टक्कर मारी

वारदात के बाद मौके से फरार हुआ आरोपी, घटना सीसीटीवी में कैद

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के इंदरगंज थाना क्षेत्र में एक पुलिसकर्मी की लापरवाही का मामला सामने आया है। शिंदे की छावनी रोड पर बुधवार दोपहर को हुई इस घटना का वीडियो आज सामने आया है।

एक कार (MP07 C 7675) सड़क किनारे खड़ी थी। इस दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक पुलिसकर्मी ने अपनी कार से इस खड़ी कार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खड़ी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद पुलिसकर्मी मौके से फरार हो गया।

घटना के समय कार मालिक पास की एक दुकान में गया हुआ था। जब वह वापस आया तो अपनी कार को क्षतिग्रस्त हालत में पाया। आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में पुलिसकर्मी को न सिर्फ टक्कर मारते हुए देखा गया, बल्कि वह आगे जाकर अपनी कार की जांच करता हुआ भी दिखाई दिया।

पुलिस अधिकारी ने आगामी कार्रवाई की कही बात

मामले की जानकारी देते हुए इंदरगंज थाना सर्किल के सीएसपी रॉबिन जैन ने बताया कि एक कार चालक द्वारा पीछे से एक कार में टक्कर मारने का वीडियो सामने आया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

पीड़ित कार मालिक ने सीसीटीवी फुटेज के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पुलिसकर्मी की तलाश शुरू कर दी है। गनीमत यह रही कि घटना के समय खड़ी कार में कोई मौजूद नहीं था, वरना कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने रावनपीपल के छात्र-छात्राओं से भविष्य से भेंट विषय पर किया संवाद

सिवनी मालवा ■ निसं

शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला रावनपीपल में स्कूल चले अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत भविष्य से भेंट कार्यक्रम में मुख्य कार्य पालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रुति चौधरी एवं अन्य अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती जी का पूजन किया गया । संस्था प्रमुख वृषाली पगारे द्वारा श्रुति चौधरी का शॉल श्रीफल पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया

मुख्य अतिथि के रूप में पधारी मुख्य कार्य पालन अधिकारी सिवनी मालवा श्रुति चौधरी द्वारा विद्यार्थियों से संवाद किया गया। एवं शिक्षाप्रद उदाहरण साझा किए,उन्होंने बच्चों के बीच लगभग 02 घंटे का समय बिताया ।समस्त बच्चों को उपहार स्वरूप पेन प्रदान किए गए एवं शासन द्वारा प्राप्त निशुल्क पाठ्य-पुस्तके बच्चों को अपने को प्रदान की गई ।चौधरी द्वारा बच्चों से अपील की गई की सभी बच्चे समय पर

स्कूल आए एवं शिक्षकों की आज्ञा का पालन करें ।इस अवसर पर संतोष कुमार शर्मा विकासखंड अकादमिक जनपद शिक्षा केंद्र ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से शाला आकर अनुशासन में रहकर अपने लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रेरित किया। जन शिक्षक विनय शर्मा ने कहा प्रतिदिन हर विषय से एक कठिन प्रश्न बनाकर लावें और अपने शिक्षकों से उसका समाधान करवाये। इस अवसर पर ग्राम सरपंच कैलाश चंद्र बटोदिया ग्राम सचिव महेंद्र सेजकर व समस्त शाला परिवार उपस्थित था ।वरिष्ठ शिक्षक अर्जुन सिंह रघुवंशी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

तेज हवा पानी से गिरे पेड़, उड़े टीन चादर, पानी में उथलाई सब्जियां

ओले ने भी दी दस्तक, जन जीवन अस्त व्यस्त

माखननगर ■ निसं

गुरुवार शाम तेज हवा के साथ आये पानी से जन जीवन अस्त व्यस्त सा हो पेड़ गिरने से जाम की स्थिति वनी तो छोटी दुकानों की टीन चादर उड़ी ,सब्जी बाजार जलमग्न हो गया तो वहीं विजली गुल रही ।ओलों ने भी अपनी आमद दर्ज कराई ।

गिरे पेड़, उड़ी चादरें- तेज हवा से नगर में जगह जगह पेड़ गिरने से आवागमन बाधित हुआ । वहीं दूसरी तरफ हाईस्कूल के पास सड़क किनारे चाय दुकान की टीन चादरें उड़ गई जिन्हें समेटते रहे दुकानदार ।

जलमग्न हुआ सब्जी बाजार: नगर के हाईस्कूल मैदान में गुरुवार को लगने वाला सब्जी बाजार जलमग्न हो गया । बाजार क्षेत्र में इतना पानी भर गया कि

पानी में सब्जी उथलाते नजर आई । अचानक हुई वर्षा से दुनाकदार अपनी दुकानें छोड़ छिपते नजर आए ।

ओलों ने दी दस्तक: गुरुवार शाम छै बजे करीब चली तेज हवा, पानी के साथ ओले भी पीछे नहीं रहे भले ही कुछ छडों के लिए ही सही परन्तु चने के आकर के ओलों ने अपनी आमद दर्ज कराई ।

विजली गुल :हवा पानी के साथ ही विजली भी गुल हो गई जो लगभग साढ़े आठ बजे करीब वापस आई । इस तरह जन जीवन अस्त व्यस्त हुआ ।

अनमोल वचन

कभी भी घृणा को घृणा से खत्म नहीं किया जा सकता घृणा प्यार से कम होती है. यह एक अटल नियम है।
गौतम बुद्ध

जिंदगी एक साईकिल की तरह है, अगर आपको बैलेंस बनाकर रखना है तो आपको पैडल मारते रहना होंगा।
अल्बर्ट आइस्टीन

सम्पादकीय

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की नि:स्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा। यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र,ऊछत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की 'राष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिका' को रेखांकित करके अपनी '2047 तक विकसित भारत' की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन-संकल्पों एवं विचार-ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी। उस संघ से संस्कार ग्रहण कर ही उनके दिल में राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्ज्वलित हुई। उसी संघ के आंगन में नरेन्द्र मोदी के जाने पर अलग-अलग कयास लगाने एवं स्तरहीन राजनीति करने की जरूरत नहीं है। इस पर ज्यादा आश्चर्य भी जताने का कोई औचित्य इसलिये नहीं है कि कोई अपने घर, अपने संस्कार-भूमि एवं अपनी पवित्र पाठशाला में गया है। संघ उनकी राजनीति की आत्मा तो है ही, जीवन-संस्कारदाता भी है। उनका संघ से रिश्ता दशकों पुराना है। नरेन्द्र मोदी के साथ संघ भी हमेशा चट्टान की तरह खड़ा रहा है। खुद को संघ के प्रचारक मानने वाले मोदी समय-समय पर संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वत- समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया।

ट्रंप के टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखेगा जल्द असर

ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए करों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है।

डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ मामले में जो कहा वह करके दिखला दिया है। इसे लेकर दुनियां के अनेक देश दोस्ती और दुश्मनी वाला फार्मूला तलाशने में लग गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ से किसे क्या नुक्सान और क्या फायदा होगा, लेकिन इतना तो तय है कि ट्रंप ने एक बार फिर अपनी व्यापारिक नीतियों से वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। हाल ही में उन्होंने चीन, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन पर 34 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा, भारत से अमेरिका में आयात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की गई। ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए करों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है कि ट्रंप की यह नई घोषणा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकती है, तो गलत नहीं है। देखने वाली बात तो यह भी है कि जिस तरह से ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को लेकर बयान दिए थे, उसके बाद यही कहा जा रहा था कि इन देशों पर सौ फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन इसके उलट व्हाइट हाउस ने कनाडा और मैक्सिको को इस टैरिफ से छूट दे दी। इसकी वजह इन दोनों देशों के साथ अमेरिका के मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते लागू होने को बताया जा रहा है। मतलब यह हुआ कि ट्रंप बयान कुछ देते हैं और नीति कुछ और लागू करते हैं, जिसका उदाहरण ये दो देशों को टैरिफ से छूट और भारत को दोस्त बताने के बावजूद टैरिफ में शामिल करना है। इस स्थिति में ट्रंप के अन्य देशों पर लगाए गए नए शुल्क वैश्विक व्यापार पर महत्वपूर्ण असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, जिससे विश्व

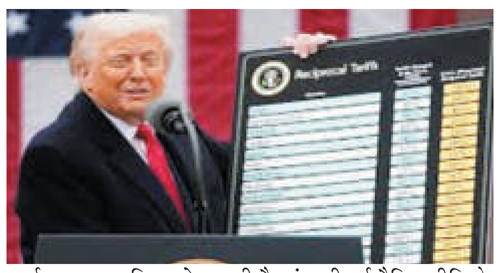

अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है। ट्रंप की नई टैरिफ नीति के चलते वैश्विक व्यापारिक संतुलन बिगड़ सकता है। विचार करने वाली बात है कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था अभी बमुश्किल संभलने का प्रयास कर रही थी कि यह नया झटका निवेशकों की चिंता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। यह टैरिफ वैश्विक व्यापारिक वृद्धि को धीमा कर सकते हैं, कॉर्पोरेट आय पर असर डाल सकते हैं और महंगाई बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं हुआ कि अमेरिका दुनियां के अन्य देशों से हटकर मंदी की मार से बच रहेगा। बल्कि इसका बुरा असर उस पर भी पड़ेगा। इसका आंकलन करते हुए ही इंफ्रास्ट्रक्चर कैपिटल एडवाइजर्स के सीईओ जय हैटफील्ड कहते हैं, कि यह सबसे बुरी स्थिति है, जिसकी बाजार को उम्मीद थी। अमेरिका को मंदी में धकेलने के लिए यह टैरिफ काफी हैं, और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। इसी प्रकार नोमूरा रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रमुख अर्थशास्त्री ताकाहिदे कियुची ने भी ट्रंप की इस नीति को ग्लोबल फ्री ट्रेड के लिए खतरा बताया है। उनका मानना है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका ही वैश्विक मुक्त व्यापार का नेतृत्व कर रहा था, लेकिन इस तरह के टैरिफ से यह प्रणाली बुरी तरह प्रभावित होगी। ऐसे में भारत समेत दुनियां के अनेक देशों के लिए यह नई टैरिफ नीति चिंता का विषय बनी हुई है। भारतीय निर्यातकों को डर है कि इससे उनके उत्पादों की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता घट जाएगी। अगर अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी, जिससे उनकी मांग कम हो सकती है। मांग घटने पर आपूर्ति घट जाएगी और उत्पादन पर विपरीत असर पड़ेगा। कंपनी व उद्योग जगत को खासा नुक्सान उठाना पड़ेगा। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका के ये कड़े कदम वैश्विक व्यापार युद्ध को और भड़का सकते हैं। यूरोपीय संघ और चीन जैसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगा सकते हैं, जिससे वैश्विक व्यापार और अधिक जटिल हो सकता है। कुल मिलाकर ट्रंप के टैरिफ से केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियां के अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, जिससे अमेरिका खुद भी अछूता नहीं रह पाएगा।

अब यदि अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति में नरमी नहीं दिखाई, तो भारत को इसका संतुलित जवाब तो देना ही होगा। गौर करने वाली बात यह है कि भारत अमेरिका से कई महत्वपूर्ण तकनीकी और रक्षा उपकरण आयात करता आया है, और यदि यह व्यापार प्रभावित हुआ तो इससे दोनों देशों के संबंधों पर भी असर पड़ सकता है। इससे पहले भी, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद सामने आए हैं। जैसे कि 2019 में ट्रंप प्रशासन ने भारत को 'जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेस' से बाहर कर दिया था, जिससे भारत को अमेरिका में व्यापारिक छूट मिलना बंद हो गई थी। अब नए टैरिफ के चलते व्यापारिक रिश्ते और अधिक जटिल होने की आंशका है। डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ दुनिया के व्यापारिक संतुलन को बदल सकते हैं। जहां अमेरिका इसे अपनी आर्थिक स्वतंत्रता की घोषणा मान रहा है, तो वहीं भारत और अन्य देश इसे व्यापारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाला कदम बता रहे हैं। बावजूद इसके टैरिफ पर अमेरिका से लगातार बातचीत होनी चाहिए और व्यापारिक रिश्तों को बचाए रखने के साथ व्यापार को सुगम बनाने की पहल होती रहनी चाहिए। क्योंकि बिना बातचीत के यदि अन्य देश भी जवाबी टैरिफ लगाने जैसा सख्त कदम उठाते हैं, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंदी के बादल और गहरा सकते हैं। इस मामले में वाकई अमेरिका को नरमी दिखाने की आवश्यकता है।

इतिहास से सबक सीखें या अतीत की घटनाओं का हिसाब-किताब करें?

अब एक कदम आगे बढ़कर साम्प्रदायिक शक्तियां इसको राष्ट्रवाद से जोड़ रहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि साम्राज्यों के काल के इतिहास को राष्ट्रवाद से जोड़ा जा रहा है, इस तथ्य को पूरी तरह भुलाकर कि राष्ट्र-राज्य एक आधुनिक परिकल्पना है और भारत की संकल्पना उपनिवेशवादी शक्तियों के विरूद्ध हुए संघर्ष के समानांतर उदित हुई। साम्प्रदायिक शक्तियां मुस्लिम शासकों से लड़ने वाले हिंदू राजाओं को देशभक्त और महान राष्ट्रवादी और राष्ट्र के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं।

राम पुनियानी

संघ परिवार द्वारा 1992 में बाबरी मस्जिद ढहाए जाने के बाद से जो सैकड़ों साल पहेहुआ था वह अचानक समाज में चर्चा का मुख्य विषय बन गया है। इतिहास को देखने का एक विशिष्ट नजरिया, जिसमें इतिहास को राजाओं और उनके धर्म के चश्मे से देखा जाता है, को समाज पर थोप दिया गया है। वह भी एक सुनियोजित तरीके से। अब एक कदम आगे बढ़कर साम्प्रदायिक शक्तियां इसको राष्ट्रवाद से जोड़ रहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि साम्राज्यों के काल के इतिहास को राष्ट्रवाद से जोड़ा जा रहा है, इस तथ्य को पूरी तरह भुलाकर कि राष्ट्र-राज्य एक आधुनिक परिकल्पना है और भारत की संकल्पना उपनिवेशवादी शक्तियों के विरूद्ध हुए संघर्ष के समानांतर उदित हुई। साम्प्रदायिक शक्तियां मुस्लिम शासकों से लड़ने वाले हिंदू राजाओं को देशभक्त और महान राष्ट्रवादी और राष्ट्र के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। इससे पहले महात्मा गांधी के सीने में तीन गोलियां मारने वाले नाथूराम गोडसे ने अपने अदालती बयानों पर आधारित पुस्तक ''मे इट प्लीज युअर ऑनर'' में गांधीजी पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज या महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रवादियों की तुलना में वे अत्यंत तुच्छ थे।

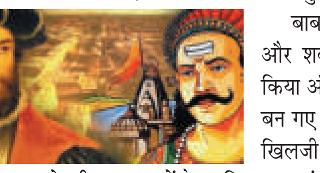

अब उसकी विचारधारा को मानने वाले यही बात और जोर से दुहरा रहे हैं। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में ''अतीत के आक्रमणकारियों का महिमामंडन करने वालों'' पर तीखा हमला करते हुए कहा था कि यह देशद्रोह है जिसे 'नया भारत' बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा के तेजतर्रार नेता की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल शासक औरंगजेब की कब्र हटाए जाने की मांगों के बीच आई है।

इसी तरह आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) ने सवाल उठाया कि क्या किसी ऐसे व्यक्ति को नायक बताना ठीक है जिसका आचरण भारत के लोकाचार के विपरीत रहा हो। उन्होंने पूछा कि गंगा-जमुनी तहजीब (हिंदू और मुस्लिम सांस्कृतिक तत्वों के मिलन) की वकालत करने वालों ने कभी औरंगजेब के बड़े भाई दारा शिकोह को नायक क्यों नहीं बताया जो सांप्रदायिक सौहार्द का प्रवर्तक बताया जाता है।

ये सारी बातें उस माहौल में कही जा रही हैं जब जोर-शोर से औरंगजेब को एक आक्रामक और क्रूर खलनायक बताया जा रहा है। आक्रमणकारी कौन थे? क्या औरंगजेब एक आक्रमणकारी था? सीधी सी बात यह है कि औरंगजेब को अपने पिता शाहजहां के वारिस के रूप में साम्राज्य मिला। मुगल साम्राज्य का संस्थापक बाबर था, जो काबुल पर राज कर रहा था। राणा सांगा ने उसे पत्र लिखकर कहा कि वह आकर दिल्ली के सम्राट इब्राहिम लोधी को पराजित करे। अंतत: हुआ यह कि बाबर ने राणा सांगा और इब्राहिम लोधी दोनों से युद्ध किया और दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुआ।

बाबर के पहले यूनानी, कुषाण, हूण और शकों ने उत्तर-पश्चिम से आक्रमण किया और वे यहां के जनसमुद्र का हिस्सा बन गए। केवल मुगल ही यहां नहीं आए, खिलजी, गुलाम और गजनी भी स्थानीय राजाओं के पराजित कर यहां की सत्ता पर काबिज हुए। उस समय भारत, दिल्ली से शासित होने वाले राष्ट्र के मौजूदा स्वरूप में अस्तित्व में नहीं था। राजाओं के बीच सत्ता और संपदा के लिए संघर्ष चलते रहते हैं और शक, हूण, कुषाण व पूर्व में अहोम जैसे विभिन्न समुदायों के मिलन से एक मिश्रित और बहुवादी सभ्यता यहाँ अस्तित्व में आई।

भारत देश के प्रतीक कौन हैं? योगी और गोडसे शिवाजी और राणा प्रताप को राष्ट्र नायकों के रूप में प्रस्तुत करते हैं। शिवाजी के प्रशासन में मुसलमान बहुत से उच्च सैन्य एवं असैन्य पदों पर थे। उन्होंने औरंगजेब के खिलाफ युद्ध लड़ा जिसकी सेना का नेतृत्व मिर्जा राजा जयसिंह के हाथ में था। राणा प्रताप द्वारा हल्दीघाटी में दिखाई गई वीरता स्तुत्य है पर क्या यह भारतीय राष्ट्रवाद के लिए किया गया संघर्ष था? उनकी सेना में 3000 सिपाही थे जिनमें से एक हजार पठान थे जिनका नेतृत्व हाकिम खान सूर करते थे। दूसरी ओर अकबर की सेना के प्रमुख मानसिंह थे। युद्ध राष्ट्रवाद के मुद्दे पर नहीं, बल्कि मनसब के मुद्दे पर लड़ा गया था। हिंदू राष्ट्रवादी भले ही मुसलमानों के खिलाफ युद्ध लड़ने वालों को राष्ट्र नायकों की तरह प्रस्तुत करना चाहते हों, लेकिन पूरी कहानी इससे ज्यादा जटिल है। यह राजाओं की राजाओं से लड़ाई थी न कि हिंदुओं की मुसलमानों से। ऐसा भी नहीं है कि सारे मुस्लिम राजा जालिम थे और हिंदू राजा शांति के पुजारी थे। कलिंग युद्ध के संबंध में अशोक की कितनी बदनामी है। चोल राजाओं का चालुक्य राजाओं के खिलाफ युद्ध भी अनेक क्रूर घटनाओं के लिए जाना जाता है जिनमें राजेन्द्र चोल की विजयी सेना ने पराजित चालुक्य राजा के सेनापति समुद्रराज का सिर काट दिया जाना और उसकी पुत्री की नाक काट देना शामिल है।

औरंगजेब का दानवीकरण राजनैतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है और हिंसा और गौमांस, लव जिहाद जैसे मुद्दों के जरिए मुसलमानों के एक वर्ग को आतंकित और एक दायरे में सिमटने के लिए मजबूर कर दिया जाता है।

मुझे तलाश करो, मैं यहीं कहीं पर हूँ

डॉ श्रीगोपाल नारसन

शायर अनीस मेरठी कहते है, ग़लत पते के लिफ़ाफ़े सा मुझको मत समझो, मुझे तलाश करो, मैं यहीं कहीं पर हूँ। रुड़की के महान शायर अनीस मेरठी अब इस दुनिया मे नही है,लेकिन अपनी उम्दा शायरी की वजह से वे हमेशा अपने साहित्य के वतन में जीवित रहेंगे। उनका गत वर्ष अचानक जाना मुझे अंदर तक झकझोर गया था ।कई वर्षों से उनकी तबीयत तो ऊपर नीचे होती रहती थी,लेकिन वे इसी ख़राब तबियत का बहाना कर चले जायेंगे,ऐसा किसी ने भी नही सोचा था ।उर्दू शायरी के उस्ताद शायर अनीस मेरठी बेहद शांत स्वभाव के धीरे-धीरे बोलने वाले परिपक्व शायर थे ।न जाने उनमे ऐसा क्या था ,जो मेरे मन मे उनके प्रति अथाह सम्मान रहा है ।उन्हें भी मुझसे विशेष लगाव था,जब भी उनका मुझसे मिलने का मन होता तो अपनी बेटी बुशरा से मुझे फोन कराते,मुझे भी बुशरा में एक बहन का प्यार झलकता है और मैं अधिकार के साथ बुशरा को बोल देता,अब्बू से मिलने तभी जाऊंगा,जब तुम भी वहां मिलो,बुशरा सहज ही मान जाती और अपने घरेलू कामो को बीच मे ही छोड़कर अब्बू व मेरे लिए दौड़ी दौड़ी अपनी ससुराल से मायके चली आती ।हिंदी साहित्य में बहन बुशरा को महारथ हासिल है,जबकि उर्दू में अनीस मेरठी को किसी गुरु या फिर उस्ताद से कम नही आंका जा सकता ।कुछ साल पहले दूरदर्शन ने अनीस मेरठी का एक विशेष साक्षात्कार प्रसारित किया था,मेरे डिवाइन मिरर हिंदी चैनल पर भी उनसे उनके साहित्यिक अवदान को लेकर की गई बातचीत खूब पसंद की गई। यह मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे अनीस मेरठी का एक साक्षात्कार करने का अवसर उनकी 84 वर्ष की आयु में उनके घर पर मिला ।वायदे के मुताबिक बहन बुशरा भी वहां मौजूद रही, जब बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ तो मुझे आभास हुआ कि अनीस मेरठी नज़्म और गज़ल विधा में शब्दों के जादूगर है,उनकी शायरी पर 2 पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी है ।बिजली विभाग में नोकरी करते हुए शायरी के क्षेत्र में आगे बढ़े अनीस मेरठी का कहते थे कि शायरी में आदमी कभी मुकम्मल नही होता,जितना सीखता है उतना निखरता जाता है ।वे कहते थे कि शायरी में उनके पिता के अलावा उनका कोई उस्ताद नही रहा ।उनका यह भी कहना था कि कोई भी शख्स एक अच्छा शायर तभी हो सकता है,जब वह एक अच्छा इंसान हो,क्योंकि शायरी के लिए सबसे पहले एक अच्छा इंसान होना जरूरी है ।सन 1936 में जन्मे अनीस मेरठी सन 1947 में आजादी मिलने के समय कक्षा 6 में पढ़ते थे ,उन्होंने बचपन मे अंग्रेजों का दौर भी देखा,तभी तो वे मानते थे कि देश में आजादी के दीवानों ने जिस आजादी का सपना बुना था,वह आज तक भी पूरा नही हो पाया है ।वे मंदिर -मस्जिद के मुद्दे को मात्र सियासी मानते थे,वह भी केवल वोट की सियासत तक ।अनीस मेरठी बेबाक बोलते हुए कहते थे कि आज के कवि सम्मेलन व मुशायरे केवल पैसे कमाने का जरिया बनकर रह गए है ।साहिर लुधयानवी से प्रभावित अनीस मेरठी नई पीढ़ी को कुछ लिखने से पहले ग़ालिब, फैज अहमद फैज व सोज़ को पढ़ने और फिर कुछ लिखने की नसीहत देते थे ।उन्होंने पहले मेरठ और फिर रुड़की में रहते हुए न जाने कितने कवि सम्मेलनों, मुशायरों में शिरकत की और अपनी मौजूदगी का एहसास अपने क़लाम से कराया ।दूरदर्शन पर उनका साक्षात्कार अविस्मरणीय रहा ।अफ़सोस यह रहा कि उर्दू के इस महान रचनाकार को सरकार की ओर से कभी कोई तवज्जो नही मिली। अच्छा होता वे जीतेजी सरकारी स्तर पर किसी सम्मान से नवाज़े जाते , जिसके वे हकदार भी थे, हालांकि हम कह सकते है कि अनीस मेरठी किसी सम्मान के कभी मोहताज़ नही रहे क्योंकि उनकी उम्दा शायरी ही उनके आला होने का सबूत है और यह सबूत हमेशा जिंदा रहेगा।

खास बात

बक्फ बिल से इंडिया गठबंधन मजबूत

केंद्र सरकार वक्फ बिल को रमजान के महीने में ईद के समय लेकर आई। इस बिल का देश भर में भारी विरोध हुआ। मुसलमानों ने काली पट्टी बांधकर ईद मनाई। मुस्लिम वोटो को लेकर अब इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल एक साथ चुनाव लड़ने के लिए विवश हो गए हैं। इंडिया गठबंधन के दल एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे,तो इसका बड़ा फायदा होगा। पश्चिम बंगाल में टीएमसी का कांग्रेस मिलकर पश्चिम बंगाल विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। कम्युनिस्ट पार्टी अब वहां पर अलग-थलग पड़ गई है। इसी तरह बिहार में अब स्थितियां तेजी के साथ बदल रही है। लालू यादव और तेजस्वी यादव के लिए मजबूरी है। वह कांग्रेस के साथ कांग्रेस की शर्तों पर गठबंधन करके चुनाव लड़े।

भारत के लिए ग्रहण बना अमेरिका

अमेरिका मे जब से डोनाल्ड ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति बने हैं। उसके बाद से लग रहा है, भारत को अमेरिका का ग्रहण लग गया है। डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क राहू केतु की तरह भारत को परेशान कर रहे थे। जैसे तैसे बातचीत शुरू हुई। भारत ने सभी शुल्क अमेरिका के लिए कम कर दिए। राहु केतु को शांत कर ही रहे थे। इसी बीच न्यूयॉर्क टाइम्स ने शनि के रूप में नया मोर्चा खोल दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने रिपोर्ट प्रकाशित की है। भारत की सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोटोनिक्स लिमिटेड ने रूस को हथियार सप्लाई किए हैं। जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के तहत नहीं किया जा सकते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने भारत पर आरोप लगाया है। संवेदनशील उपकरण और तकनीकी भारत ने रूस को बेची है।

मोदी और नीतीश के नाम पर लड़ा जाएगा बिहार का चुनाव

केंद्र सरकार के गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार जाकर चुनावी बिगुल बजा दिया है। बिहार का चुनाव नितीश बाबू और प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर लड़ा जाएगा। अमित शाह ने बिना बातचीत किए नितीश बाबू के नाम की घोषणा कर दी। इसी से नितीश बाबू गदगद हैं। अमित शाह ने बड़ी होशियारी की। उन्होंने कहीं यह नहीं कहा, एनडीए चुनाव जीतेगी, तो नितीश बाबू ही मुख्यमंत्री बनेंगे। नितीश बाबू अब बुढा गए हैं। उन्हें बुढ़ापे में अपने लड़के की फिक्र लगी हुई है। बिहार की राजनीति में भाजपा की पूंछ पकड़कर नितीश बाबू अपने बेटे को राजनीति की वैतरणी पार करना चाहते हैं। नितीश बाबू,जो सोचते हैं, वह होता नहीं है। जो होना है,वह भाजपा कभी कहती नहीं है। उड़ीसा और महाराष्ट्र में क्या हुआ है। पुत्र प्रेम में नितीश बाबू सब कुछ देखकर भी भूल रहे हैं। इसे ही कहते हैं समय की बलिहारी।

क्या हुआ आठवें वेतन आयोग के वादे का

केंद्र सरकार ने 16 जनवरी को आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी। उस समय दिल्ली विधानसभा के चुनाव चल रहे थे। चुनाव हो गए,भाजपा चुनाव जीत भी गई। आठवें वेतन आयोग का वादा चुनाव जीतने के बाद भाजपा भूल गई। दिल्ली में देश के सबसे ज्यादा सरकारी कर्मचारी रहते हैं। चुनाव जीतने के लिए यह वादा जरूरी था। वादे हैं, वादों का क्या, की तर्ज पर सरकार ने इसे भूल जाना ही बेहतर समझा। चुनाव जीतना था, सो भाजपा ने जीत लिया। चुनाव जीतने की यह कला भाजपा के अलावा और किसी को नहीं आती है। इतना तय है, आठवें वेतन आयोग की घोषणा हो भी जाएगी।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि सप्तमी, शुक्रवासरे, मृगशिरा नक्षत्रे, शोभन योगे, गरकरणे, मिथुन की चंद्रमा, भद्रा 48/18 रवियोग 10/41 अन्नप्रासन्न, व्यापार, धान्य छेदन, वाहन क्रय विक्रय, लघु वृक्षारोपण तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, अग्रसोची, बोलने में निपुण, लेखक, राजनेता, मंत्री, प्रसिद्ध-ख्याति प्राप्त व्यक्ति होगा, नीति निपुण, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल होगा।

मेष राशि- तनाव व उदर रोग विकार, मित्र लाभ, राजभय तथा परिवारिक समस्या होगी।

वृष राशि- अनुभव सुख, मंगल कार्य विरोध, मामले-मुकदमें में जीत की सम्भावना है।

मिथुन राशि- कुसंगति से हानि, विरोधी भय, यात्रा, सामाजिक कार्यों में सावधान रहें।

कर्क राशि- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ अवश्य होगा।

सिंह राशि- तनाव, विवाद से बचें, विरोधी चिन्ता, राजकीय कार्य में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या राशि- भूमि लाभ, स्त्री सुख, कार्य प्रगति, स्थान में सुधार, लाभ अवश्य ही होगा।

तुला राशि- प्रगति, वाहन का भय, भूमि लाभ, कलह, कुछ अच्छे कार्य भी होंगे।

वृश्चिक राशि- कार्य सिद्ध, विरोध, लाभ, कष्ट, हर्ष, व्यय, व्यापार में सुधार होगा।

धनु राशि- माता से हानि, मातृ-पितृ कष्ट, व्यय में सुधार होगा, आवश्यक कार्य बनें।

मकर राशि- शुभ कार्य, वाहन आदि भय, रोग, धार्मिक व कुछ अच्छे कार्य अवश्य बनेंगे।

कुंभ राशि- अभिष्ट सिद्धी, राजभय, कार्यबाधा, राजकार्य में कष्ट का अनुभव होगा।

मीन राशि- अल्प हानि, रोग भय, सम्पर्क लाभ, राजकार्य में विलम्ब, परेशानी होगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

4 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.23 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृष	08.03 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	10.01 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.15 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.31 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.43 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.53 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.08 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.24 बजे से
		मकर	01.29 बजे से
		कुंभ	03.16 बजे से
		मीन	04.49 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 94 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 20.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 05.51 बजे तदनन्तर आर्द्रा 05.21 बजे प्रात: को समाप्त।
योग शोभन 21.45 बजे को समाप्त।
करण गर 08.52 बजे तदनन्तर वणिज 20.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872304
जूलियन दिन 2460769.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

बच्चा रहे हमेशा कोंफिडेंट इसके लिए उसे बोलना सिखाएं ये 5 स्ट्रोंग लाइंस

कभी खुद को नहीं समझेगा किसी से कम
ऐसी कई पंक्तियां हैं जो अगर बच्चा रोजाना खुद से कहने लगेगा तो उसका आत्मविश्वास भी तेजी से बढ़ेगा. जानिए कौनसी हैं ये कोंफिडेंस बढ़ाने वाली बातें.
बहुत से बच्चे कम उम्र से ही कोंफिडेंट होते हैं. उन्हें किसी के सामने कुछ कहने या करके दिखाने में झिझक नहीं होती और ये बच्चे जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं. लेकिन, इस कोंफिडेंस की वजह क्या होती है? इस कोंफिडेंस की वजह होती है बच्चे का खुद पर विश्वास करना. यह विश्वास बच्चों में अपने अंतर्मन में कही बातों से भी आता है तो कई बार माता-पिता की बातें बच्चों को आत्मविश्वासी बनाती हैं. अपने बच्चों को कोंफिडेंट बनाने के लिए आप भी उन्हें ऐसी पॉजीटिव बातें बोलना सिखा सकते हैं जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगे. खुद से ये स्ट्रोंग लाइंस बोलकर ना सिर्फ बच्चों का कोंफिडेंस बढ़ेगा बल्कि किसी भी मुश्किल घड़ी से निकलने का हौंसला भी उनमें आएगा.

卐मैं जैसा हूं वैसे ही प्यार के काबिल हूं卐
बच्चे का सेल्फ कोंफिडेंस बढ़ाने के लिए उसे यह पंक्ति सिखाई जा सकती है. बच्चों को समझाएं कि वे जैसे हैं वैसे ही मूल्यवान हैं और प्यार के काबिल हैं. अपनी सेल्फ वर्थ समझने के लिए उन्हें किसी की वेलिडेशन या रजामंदी की जरूरत नहीं है.

卐मैं परेशानी का हल ढूंढ सकता हूं卐
किसी भी मुश्किल से निकलने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है खुद पर विश्वास करना. माता-पिता को अपने बच्चे को यह बोलना जरूर सिखाना चाहिए कि वह किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता है. जब कोई मुश्किल आए तो बच्चे को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि मैं किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता हूं. बच्चे का आत्मविश्वास) बढ़ने लगेगा.

卐मैं बहादुर हूं और मुझे हार नहीं माननी है卐
किसी परिस्थिति से पार पाने के लिए और हमेशा अपना बेस्ट देते रहने के लिए बच्चे को यह पंक्ति खुद से जरूर कहनी चाहिए. इससे बच्चे में कोंफिडेंस आता है. इससे बच्चा हार मानने के बजाय आगे बढ़ता जाता है.

卐मेरे विचार मैटर करते हैं卐
कई बार बच्चे किसी काम को इसलिए नहीं करते या फिर किसी के सामने अपनी बात रखने से झिझकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बात का कोई मूल्य नहीं है. लेकिन, बच्चे को यह समझाना और यह कहना सिखाना जरूरी है कि उसके विचार मैटर करते हैं. जब बच्चे खुद से यह कहने लगते हैं तो आत्मविश्वास के साथ अपनी बात को आगे रखना भी शुरू कर देते हैं.

卐मैं नई चीजें सीख सकता हूं卐
बच्चों को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि वह नई चीजें सीख सकते हैं. इससे बच्चे किसी काम को सीखने (स्न्नड्डह्वद्बठ्ठद्द) से घबराते नहीं हैं. बच्चों में इस पंक्ति को कहने पर नई चीजें सीखने का कोंफिडेंस आता है.

क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग, टीनेजर्स की परवरिश में आजमा सकते हैं यह यूनिक तरीका

आप टीनेजर बच्चों के माता-पिता हैं तो आपने पैरेंटिंग के अलग-अलग तरीकों के बारे में तो सुना ही होगा. लेकिन, क्या आप लाइटहाउस पैरेंटिंग के बारे में जानते हैं? यहां जानिए लाइटहाउस पैरेंटिंग क्या होती है और टीनेजर्स की परवरिश में कैसे काम आती है.
परवरिश के अलग-अलग तरीकों में से ही एक है लाइटहाउस पैरेंटिंग. असल में लाइटहाउस पैरेंटिंग एक तरह की बैलेंस्ड पैरेंटिंग अप्रोच है जिसमें बच्चों को प्यार, सपोर्ट और गाइडेंस दी जाती है लेकिन साथ-साथ बाउंडरीज मेंटेन करना भी जरूरी होता है. इस पैरेंटिंग स्टाइल में माता-पिता बच्चे को एक सुरक्षित वातावरण देते हैं जिसमें बच्चे खुद को बेहतर तरह से एक्सप्रेस कर सकते हैं. इसमें बच्चे माता-पिता से अपने मन की बातें बिना डरे कह पाते हैं. यहां जानिए क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग और इसे कैसे आजमाया जा सकता है.

बनाएं क्लियर नियम
लाइटहाउस पैरेंटिंग में आपको क्लियर रूल्स बनाने होते हैं. आपको नियम बनाकर यह सुनिश्चित करना होता है कि बच्चे इन्हें गंभीरता से फॉलो करें. वहीं, स्पष्ट होना भी जरूरी है, जैसे अगर आप चाहते हैं कि बच्चा अपना फोन इस्तेमाल ना करे तो सीधेतौर पर उसे कहें कि फोन इस्तेमाल ना करे. तानों के जरिए बात कहने की कोशिस ना करें.

कमजोरियों पर ना करें निंदा
अगर बच्चे की कोई कमजोरी है तो उसकी सीधेतौर पर निंदा ना करें बल्कि समझें और उसे भी समझाएं कि कमजोरियों से सीखने की जरूरत होती है. चाहे गलती हो या फिर कोई कमी, इसे पूरा करने पर ध्यान दें ना कि बच्चे की निंदा करके उसका मनोबल कमजोर करें.

कोशिश के दें पूरे नंबर
किशोरावस्था ऐसी उम्र है जिसमें बच्चे अलग-अलग कामों को सीखने की कोशिश करते रहते हैं और अक्सर एक्सपेरिमेंट्स करते हैं. ऐसे में अगर बच्चे किसी काम में बुरे भी निकलते हैं और कभी-कभी उन्हें हार का मुंह भी देखना पड़ता है. ऐसे में बच्चे को उसकी कोशिश और एफर्ट्स के पूरे नंबर दें. रिजल्ट क्या निकला या क्या नहीं इससे ज्यादा जरूरी है बच्चे का हौंसला बढ़ाना.

बहुत ज्यादा कठोरना ना अपनाना
इस पैरेंटिंग स्टाइल में इस बात का ध्यान रखा जाता है कि माता-पिता बच्चे के साथ बहुत ज्यादा कठोरता नहीं बरत रहे हैं. इस उम्र में बच्चे से बहुत ज्यादा कठोर व्यवहार किया जाए तो बच्चों में एक तरह का डर गहराने लगता है जिससे वे अपनी परेशानियां तक पैरेंट्स से कहने से डरने लगते हैं.

हमेशा डांट-डंपटकर बच्चे को ना बनाएं दब्बू

इन तरीकों से बढ़ाएं बच्चे का कोंफिडेंस

अगर आपको भी अपने बच्चे में कोंफिडेंस की कमी नजर आती है तो यहां जानिए किस तरह उसमें आत्मविश्वास लाया जा सकता है. इस तरह बच्चे जीवन में कभी भी और किसी से भी पीछे नहीं रहते हैं.

माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहें, कक्षा में सबसे अच्छा प्रदर्शन दिखाएं, दोस्तों के बीच पॉपुलर रहें और कभी उन्हें किसी से कमतर महसूस ना हो. ऐसे में पैरेंट्स बच्चों को अक्सर अनुशासित करने के लिए डांट-डंपट भी देते हैं. लेकिन, इस सख्ती से होता यह है कि बच्चे का कोंफिडेंस कम होने लगता है और वह झेंपने लगता है. ऐसे में बच्चे की परवरिश में यह गलती आप बिल्कुल भी ना करें बल्कि उसे वो काम सिखाएं या इस तरह उससे बर्ताव करें जिससे वह आत्मविश्वासी बने और किसी मुश्किल से कभी घबराए नहीं.

किसी काम को करने का सिखाएं सही तरीका
अक्सर ही बच्चों में कोंफिडेंस की कमी इसलिए देखी जाती है क्योंकि उन्हें कोई काम सही तरह करने में दिक्कत होती है या फिर वे इस काम को सही तरह से करना नहीं जानते जिसकी वजह से उनकी खिल्ली उड़ाई जाती है. ऐसे में आप बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसे इन कामों को सही तरह से करना सिखा सकते हैं. इससे अपने यार-दोस्तों के सामने भी बच्चे का कोंफिडेंस बना रहता है.

बच्चे के विचारों को दबाएं नहीं - पैरेंट्स एक आम गलती यह कर देते हैं कि जब बच्चा अपने विचार उनके सामने रखता है तो वे उसकी बातों पर ध्यान नहीं देते. कई बार तो यह भी होता है कि बच्चा अगर थोड़ा भी खुलकर व्यवहार करता है तो पैरेंट्स उसे यह कहकर चुप करवा देते हैं कि इतराओ मत. ऐसे में बच्चे अपने आपको एक्सप्रेस करने से कतराने लगते हैं.

करें बच्चे की सराहना - बच्चा किसी चीज में बुरा होगा तो ऐसे भी बहुत से काम होंगे जिसमें वह सबसे अच्छा होगा या फिर जिन कामों को वह अच्छी तरह कर सकता है. इसीलिए बच्चे की सराहना करना जरूरी है. बच्चे को इससे कोंफिडेंस मिलता है और वह खुद को बेहतर करने की तरफ अग्रसर होता है.

घर पर ही करवाएं कोंफिडेंस बढ़ाने वाली एक्टिविटीज - आप बच्चे को घर में ही अपने मन की बात कहने के लिए, सबके सामने कुछ गाकर सुनाने या डांस करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं. बच्चे को जो कुछ अच्छा लगता है वह सभी के सामने करके दिखाने में कंफर्टेबल है या नहीं उससे पूछें. धीरे-धीरे बच्चे अगर घर के सदस्यों के सामने बोलना या अपनी खूबिया दिखाना शुरू करते हैं तो बाहरी लोगों के सामने भी उन्हें कोंफिडेंट महसूस होने लगता है.

इन 5 वजहों से माता-पिता की बात नहीं सुनते हैं बच्चे, समय रहते ध्यान देना है जरूरी

अक्सर ही बच्चे माता-पिता की बात को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं. ऐसे में पैरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि बच्चे के इस तरह बर्ताव करने की क्या वजह हो सकती है.

बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं होता है. पैरेंट्स बच्चों के बड़े होने तक खुद भी जीवन से जुड़ी अनेक नई बातें सीखते हैं और लगातार सीखते जाते हैं. लेकिन, इस पूरे सफर में पैरेंट्स ऐसी गलतियां भी करते हैं जिनसे बच्चे की परवरिश पर असर पड़ता है. कई बार माता-पिता को यह देखकर हैरानी होती है कि बच्चे उनकी बात नहीं सुन रहे हैं या बात को सुनकर नजरअंदाज कर देते हैं. ऐसे में कई बार पैरेंट्स को यह समझने में दिक्कत होती है कि बच्चों के इस बर्ताव की क्या वजह है. अगर आप भी बच्चों के इसी व्यवहार से परेशान हैं तो यहां जानिए किन वजहों से बच्चे माता-पिता की बात को अनसुना करने लगते हैं.

जरूरत से ज्यादा सख्ती

अगर माता-पिता बच्चे पर जरूरत से ज्यादा सख्ती करने लगते हैं तो बच्चे उनकी बात सुनना बंद कर देते हैं. बच्चों को लगने लगता है कि पैरेंट्स की सख्ती से बचने का तरीका है उनकी बात ना मानना और आखिर में किसी भी बात को सुनने से इंकार कर देना. ऐसा बच्चे ज्यादातर पैरेंट्स से बदला लेने के लिए करते हैं.

हमेशा चिल्लाकर बात करना

पैरेंट्स अगर बच्चे पर हर समय ही चिल्लाते रहते हैं और उससे किसी भी काम को करने के लिए चिल्लाकर ही बात करते हैं तो इससे बच्चा घबरा जाता है. बच्चे को लगता है कि चुप रहकर और बातों को अनसुना करके ही खुद को प्रोटेक्ट कर सकते हैं.

बहुत ज्यादा नियम

बच्चों पर अलग-अलग और ढेर सारे नियम थोप दिए जाने पर भी उन्हें अच्छा नहीं लगता है. बच्चे इन नियमों से तंग आकर पैरेंट्स की एक भी बात सुनना पसंद नहीं करते हैं और सोचते हैं कि इन नियमों के जवाब में अब वे हर काम को और हर बात को अनसुना कर देंगे.

अटेंशन के लिए भी करते हैं

कई बार बच्चे माता-पिता की बात इसलिए नहीं सुनते क्योंकि उन्हें अटेंशन चाहिए होता है. माता-पिता बच्चे पर ध्यान दें और उसके इस व्यवहार के लिए उससे आकर सवाल-जवाब करें इसीलिए बच्चे पैरेंट्स की बात नहीं सुनते, उन्हें इग्नोर करते हैं और उनसे उखड़ा-उखड़ा रवैया अपनाने लगते हैं.

बच्चे को होता है सेल्फ डाउट और खुद को समझता है सबसे कमतर

तो पैरेंट्स इन 4 तरीकों से बढ़ाएं उसका कोंफिडेंस

आपका बच्चा अगर खुद पर विश्वास नहीं करता है और सेल्फ डाउट से घिरा रहता है तो यहां जानिए किस तरह उसका आत्मविश्वास बढ़ाया जा सकता है.

माता-पिता को अक्सर लगता है कि बच्चों को जीवन में किसी तरह की परेशानी नहीं होती या फिर बच्चों पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती इसीलिए उन्हें हर स्थिति में खुश रहना चाहिए. लेकिन, ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनसे बच्चे अकेले गुजरते रहते हैं. बच्चे खुद की तुलना दूसरे बच्चों से करने लगते हैं, हर किसी की डांट सुनकर खुद को सबसे कम समझने लगते हैं, उनपर अच्छी परफोर्मेंस का प्रेशर होता है तो साथ ही उनकी भावनाएं कई बार माता-पिता या दोस्त कोई नहीं समझ पाता जिससे बच्चे खुद को अकेला महसूस करते हैं. इसके अलावा, अक्सर ही बच्चे सेल्फ डाउट में पड़ जाते हैं और अपना आत्मविश्वास खो देते हैं. ऐसे में माता-पिता बच्चे को समझते हुए उसे इस दुविधा से निकालने की कोशिश कर सकते हैं. अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा सेल्फ डाउट में रहता है, कोंफिडेंट फील नहीं करता और खुद को दूसरे बच्चों से कम समझता है तो यहां जानिए किस तरह बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद की जा सकती है.

नकारात्मक बातों को दूर करना सिखाएं

बच्चे कई बार नकारात्मक और सकारात्मक बातों में अंतर करना नहीं जानते और इसीलिए कुछ बुरा भी हो तो उसे अपने अंदर दबाए रखते हैं. यही नकारात्मक बातें बच्चों को अंदर ही अंदर खाने लगती हैं. ऐसे में बच्चों को सिखाएं कि किस तरह नकारात्मक बातों को पहचानकर उनसे दूरी बनाई जा सकती है. नकारात्मक भावनाओं को दूर करके ही सेल्फ डाउट से छुटकारा पाया जा सकता है.

स्ट्रेंथ पर फोकस करना

बच्चे को उसकी स्ट्रेंथ पर फोकस करना सिखाएं. जिन कामों में बच्चा अच्छा है उन कामों में खुद को वह और कैसे बेहतर बनाए और किस तरह अपनी सफलताओं से कोंफिडेंट महसूस करे यह उसे बताएं. इससे आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही बच्चों में सकारात्मक विचारों का संचार होता है.

हार लेकर ना बैठना

बच्चा अगर अपनी गलतियों या हार के बोझ तले बैठा रहेगा तो यकीनन इससे उसका आत्मविश्वास कम होगा. ऐसे में बच्चे को सिखाएं कि जीवन में जीत और हार लगे रहते हैं, लेकिन हार को लेकर बैठना और खुद को हारा हुआ महसूस करना सही नहीं है. हार से सीखना और आगे बढ़ते रहना जरूरी होता है.

आत्मनिर्भर होना

अगर बच्चे को लगता है कि वह कोई भी काम खुद से नहीं कर सकता या फिर उसे हर काम को करने के लिए किसी की जरूरत है, तो यह उसकी लो सेल्फ एस्टीम को दर्शाता है. ऐसे में पैरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे कम उम्र से ही बच्चे को आत्मनिर्भर होना सिखाएं. कम से कम छोटे-मोटे काम और जिम्मेदारियां बच्चा खुद उठाने लगे जिससे उसके सेल्फ कोंफिडेंस में वृद्धि हो.

संक्षिप्त समाचार

जैस्मिन और पांड्या के अफेयर की अटकलें तेज

मुम्बई। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आजकल आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी करते दिख रहे हैं। खेल के साथ ही निजी जिंदगी को लेकर भी वह चर्चाओं में बने रहते हैं। पांड्या का उनकी पत्नी नताशा स्टेनिवोविक से तलाक हो गया है। वहीं आजकल हार्दिक अपनी नई गर्लफ्रेंड और ब्रिटिश मॉडल जैस्मिन वालिया के साथ रिलेशनशिप में हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें अटकलें लगायी जा रही हैं कि ये दोनो एकदूसरे को डेट कर रहे हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया में छाया हुआ है। हाल ही में कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए आईपीएल मैच का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। जिसमें जैस्मिन वालिया को मुंबई इंडियंस की बस में चढ़ते हुए देखा गया।

अलग-अलग क्षेत्रों में छाये हैं ये पूर्व क्रिकेटर

मुम्बई। साल 2011 में महेन्द सिंह धोनी की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ी आजकल अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय है। कोई कोच का काम रहा है तो कोई कमेंटेटर वहीं कुछ राजनेता भी बने हैं। तब भारतीय टीम में वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर, गौतम गंभीर, युवराज सिंह, सुरेश रैना और हरभजन सिंह सहित कई अन्य दिग्गज भी शामिल थे। गौतम गंभीर और हरभजन सिंह संन्यास से लेने के बाद राजनीति में उतरे हैं। गंभीर ने साल 2019 के आम चुनाव में भाजपा के टिकट पर दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ा था और संसद बने थे। मगर इसके बाद एक बार फिर वह राजनीति से संन्यास लेकर वह भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर हरभजन सिंह आम आदमी पार्टी की टिकट से राज्यसभा सांसद हैं।

यशस्वी ने बताया मुम्बई छोड़कर गोवा जाने का कारण

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब घरेलू सत्र में मुम्बई की जगह गोवा से खेलते हुए नजर आयेंगे। यशस्वी के अचानक ही गोवा का रुख करने से सभी हैरान है पर अब इसका कारण सामने आया है। यशस्वी ने कहा कि ये फैसला काफी कठिन था पर कप्तानी का प्रस्ताव मिलने के कारण उन्होंने ये फैसला किया है पर इसके बाद भी वह हमेशा मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के आभारी रहेंगे। वहीं इससे पहले यशस्वी ने आगामी घरेलू सत्र में गोवा का प्रतिनिधित्व करने के लिए एमसीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा था।

इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जॉइंट्स का अपने घरेलू मैदान पर करेगी मुकाबला

मुंबई और लखनऊ के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

लखनऊ, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जॉइंट्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपर जॉइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना रहेगा। अब तक हुए तीन मैचों में से उसे दो मुकाबलों में हार मिली है। पिछले मैच में उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर भी सभी की नजरें रहेंगी। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होनें बाद भी ऋषभ अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। तीन मैचों को मिला भी दें तो भी उनके 30 से कम रन हैं। इस मैच में अगर लखनऊ को जीत दर्ज करनी है तो कप्तान को रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस का सफर भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे भी केवल एक ही मैच में जीत मिली है। मुम्बई के भी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ला अब तक खामोश हैं। ऐसे में वह भी इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। इस मैच में उतर रही दोनो ही टीमों की हालत तकरीबन एक ही है। मुंबई को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने का

भी नुकसान हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस आईपीएल सत्र से बाहर हैं।

बुमराह की जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी जिससे मुम्बई को राहत मिली है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की ओर से आईपीएल में पदार्पण करते हुए अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे।

मुंबई को अगर सुपर जॉइंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो रोहित के अलावा अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं लखनऊ की टीम भी अपने गेंदबाजों के चोटिल होने से परेशान हैं मयंक यादव सहित उसके प्रमुख गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। शार्दुल ठाकुर के टीम से जुड़ने से हालांकि उसके राहत मिली है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरण के फार्म में आने से भी टीम को लाभ हुआ है। पूरन ने अब तक तीन मैच में 189 रन बनाए हैं पर उन्हें कोई जोड़ीदारी नहीं मिला है। टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो कप्तान ऋषभ के साथ ही अन्य सभी खिलाड़ियों को एकजुट होकर खेलना होगा।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं :-

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आयुष बदोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शार्दुल ठाकुर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, विल जैक्स, बेवॉन जैकब्स, रॉबिन मिंज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विग्नेश पुथुर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कृष्णन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रीस टॉपले, सूर्यकुमार यादव।

फेडरेशन कप के लिए खेलना होगा क्षेत्रीय टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। एएफआई ने कहा, इस प्रतियोगिता (फेडरेशन कप) में भाग लेने के लिए एथलीटों को वर्ष 2025 में एएफआई द्वारा स्वयं आयोजित की जानी वाली प्रतियोगिताओं के क्वालिफिकेशन प्रवेश मानकों को हासिल करना होगा।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) नया नियम लेकर आया है। उसने कहा है कि 2025 सत्र की पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप फेडरेशन कप में भाग लेने के लिए एथलीटों को कम से कम एक क्षेत्रीय प्रतियोगिता या ग्रां प्री जैसी देशव्यापी एकदिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेना होगा। एएफआई ने तत्काल प्रभाव से इस नियम को अनिवार्य कर दिया है। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है कि एथलीट पूरी तैयारी के साथ टूर्नामेंट में हिस्सा लें ताकि उनके प्रदर्शन में निरंतरता आए। 27-31 मई तक कोरिया में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का चयन फेडरेशन कप में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। फेडरेशन कप का आयोजन 21-24 अप्रैल तक केरल के कोच्चि में किया जाएगा।

नीरज चोपड़ा को मिलेगी छूट?: हालांकि, एएफआई द्वारा प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजे गए दोहरे ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा जैसे खिलाड़ियों को इस नियम से छूट दी जाएगी। एएफआई ने कहा, इस प्रतियोगिता (फेडरेशन कप) में भाग लेने के लिए एथलीटों को वर्ष 2025 में एएफआई द्वारा स्वयं आयोजित की जानी वाली प्रतियोगिताओं के क्वालिफिकेशन प्रवेश मानकों को हासिल करना होगा।

पुराने प्रदर्शन को स्वीकार नहीं किया जाएगा: उन्होंने कहा, एथलीटों के लिए 2025 में कम से कम एक क्षेत्रीय प्रतियोगिता या चौथे इंडियन ओपन थ्रो/चौथे इंडियन ओपन जंप/छठे इंडियन ओपन 400 मीटर/इंडियन ग्रां प्री में भाग लेना अनिवार्य है।

आरजीपीवी राज्यस्तरीय ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता

7 स्वर्ण पदकों के साथ भोपाल नोडल महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों में ओवरऑल चैंपियन

भोपाल, निप्र। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तत्वाधान में लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल द्वारा आयोजित आरजीपीवी राज्यस्तरीय ड्रॉप रोबॉल महिला पुरुष प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन एलएनसीटी केंपस रायसेन रोड भोपाल मे किया गया। जिसमे आरजीपीवी के अंतर्गत आने वाले के 06 नोडल के 70 से अधिक पुरुष एवं महिला खिलाड़ियो ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ड्रॉप रोबॉल महिला वर्ग मे 04 स्वर्ण पदको के साथ भोपाल नोडल ओवरऑल चैंपियन एवं उज्जैन नोडल 02 रजत पदक के साथ द्वितीय स्थान पर रहा। पुरुष वर्ग में 03 स्वर्ण पदको के साथ भोपाल नोडल ओवरऑल चैंपियन एंव जबलपुर नोडल 02 रजत पदक के साथ द्वितीय स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता का शुभारंभ अवसर पर डॉ अशोक कुमार राय डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। महिला वर्ग के सिंगल फाइनल मुकाबले में भोपाल नोडल की पूर्णिमा ने जबलपुर की तरुणी को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। महिला वर्ग डबल्स मुकाबले में भोपाल नोडल की अदिति एवं वैष्णवी की जोड़ी ने जबलपुर की इशिता एवं राशि की जोड़ी को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक अर्जित किया। महिला वर्ग ट्रिपल फाइनल मुकाबले मे भोपाल नोडल की आशी राठौर, अनुष्का ठाकुर, दीक्षा, ने जबलपुर नोडल की अनुष्ठान, अंकिता, इशिका को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक अर्जित किया। मिक्स डबल्स फाइनल मुकाबले में भोपाल नोडल की मानसी साहू, आस्था एवं अंशु, निविद की जोड़ी ने उज्जैन नोडल की यश एवं सुनीता की जोड़ी को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक अर्जित किया।

पुरुष वर्ग के सिंगल फाइनल मुकाबले में भोपाल नोडल के सचिन गुप्ता ने जबलपुर के यश को 02-00 से हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

मप्र शासन द्वारा राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार की हुई घोषणा

12 विक्रम, 11 एकलव्य, 3 विश्वामित्र और 1 लाइफटाईम अचीवमेन्ट पुरस्कार हुये घोषित

भोपाल, निप्र। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की बधाई : प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने ट्वीट कर पुरस्कार प्राप्त सभी को बधाई दी है। उन्होंने अपने ट्वीट के माध्यम से लेख किया है - ''मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2023 के राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार-विक्रम पुरस्कार, एकलव्य, विश्वामित्र पुरस्कार, स्व श्री प्रभाष जोशी पुरस्का एवं लाइफटाइम अचीवमेन्ट पुरस्कार से सम्मानित सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल हस्तियों को हार्दिक बधाई।

पुरस्कार का विवरण-वर्ष 2023 : म.प्र. शासन खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के खिलाड़ियों प्रशिक्षकों एवं खेल से जुड़ी हस्तियों को खेलों में किये गये उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये राज्य स्तरीय विक्रम, एकलव्य, विश्वामित्र एवं लाईफ टाईम एचीवमेन्ट पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। पुरस्कारों की मूल भावना है कि यह पुरस्कार केवल शासन की ओर से नहीं वरन् समस्त जनता की ओर से प्रदेश में खेलों का विकास करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल हस्ती को सम्मान के लिये दिया जाता है।

विक्रम पुरस्कार (12 पुरस्कार) : ■ वर्ष 1972 से विक्रम पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। ■ विक्रम पुरस्कार सीनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है। ■ विक्रम पुरस्कार 12 सीनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है, जिसमें से ओलम्पिक, एशियन गेम्स एवं राष्ट्रीय खेलों में खेले जाने वाले खेल में 06 व्यक्तिगत श्रेणी में, 03 दलीय श्रेणी में, 01 पुरस्कार दिव्यांग श्रेणी में एवं 01 पुरस्कार परम्परागत खेल (ओलम्पिक, एशियन गेम्स एवं राष्ट्रीय खेल में नहीं खेले जाने वाले खेलों को छोड़कर) एवं 01 पुरस्कार साहसिक खेल में दिया जाता है। ■ विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाले खिलाड़ी को राशि रूपये 2,00,000/- एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है।

■ विक्रम पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित कर शासकीय सेवा में नियुक्ति प्रदान की जाती है।

एकलव्य पुरस्कार (15 पुरस्कार) : ■ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा स्थापित करने के लिये छोटी उम्र से ही खेलों के प्रति एकाग्रता आवश्यक है। अत: इस ओर बालक-बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 1996 से जूनियर खिलाड़ियों के लिए जिन्होंने प्रदेश के लिए अटूट विश्वास सतत् साधना कर श्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है, ''एकलव्य'' पुरस्कार प्रदान किया जाता है। ■ एकलव्य पुरस्कार 21 वर्ष से कम आयु के जूनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है। ■ एकलव्य पुरस्कार 15 जूनियर खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है, जिसमें 09 पुरस्कार व्यक्तिगत विधा में, 03 पुरस्कार दलीय विधा, 01 पुरस्कार दिव्यांग श्रेणी, 01 पुरस्कार परम्परागत खेल, 01 साहसिक खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को दिया जाता है।

■ एकलव्य पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाले जूनियर खिलाड़ी को राशि रूपये 1,00,000/- एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है।

विश्वामित्र पुरस्कार (03 पुरस्कार) : प्रशिक्षक, जो समर्पित भाव से खिलाड़ियों को आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकी ढंग से प्रशिक्षण के माध्यम से तराशने व निखारने में सतत् कई वर्षों से प्रयासरत है, उन्हें भी प्रोत्साहित करने की दृष्टि से वर्ष 1995-96 से ''विश्वामित्र'' पुरस्कार से विभूषित किया जा रहा है।

व्यापार समाचार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया है

पीपीएफ खातों में नॉमिनी का विवरण अपडेट करने या जोड़ने के लिए नहीं लगेगा कोई शुल्क

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया है कि पीपीएफ खातों के लिए नामांकित व्यक्तियों के विवरण अपडेट करने से जुड़े किसी भी शुल्क को हटाने के लिए 2 अप्रैल, 2025 के राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से सरकारी बचत संवर्धन सामान्य नियम 2018 में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) खातों में नॉमिनी का नाम अपडेट करने या जोड़ने के लिए अब कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सरकार ने अधिसूचना जारी कर इससे जुड़े जरूरी बदलाव कर दिए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इसकी जानकारी दी है। वित्त मंत्री के अनुसार, पीपीएफ खातों में नामांकित व्यक्ति के विवरण को अपडेट या संशोधित करने के लिए वित्तीय संस्थानों की ओर से शुल्क लगाया जा रहा है, ऐसी जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि पीपीएफ खातों के लिए नामांकित व्यक्तियों के विवरण अपडेट करने से जुड़े किसी भी शुल्क को हटाने के लिए 2 अप्रैल, 2025 के राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से सरकारी बचत संवर्धन सामान्य नियम 2018 में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, सरकार की ओर से संचालित लघु बचत योजनाओं के लिए नामांकन रद्द करने या उसमें बदलाव करने के लिए

लिया जाने वाला 50 रुपये का अब शुल्क समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा, हाल ही में पारित बैंकिंग संशोधन विधेयक 2025, जमाकर्ताओं के धन, लॉकर में रखे गए सामान और सुरक्षा लॉकरों के लिए अधिकतम 4 व्यक्तियों को नामित करने की अनुमति देता है। विधेयक में एक और बदलाव बैंक में किसी व्यक्ति के पर्याप्त हित शब्द को फिर से परिभाषित करने से जुड़ा है। इस सीमा को मौजूदा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये करने की मांग की गई है। पांच लाख रुपये की राशि लगभग छह दशक पहले तय की गई थी। इस कानून में सहकारी बैंकों में निदेशकों (अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक को छोड़कर) का कार्यकाल 8 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष करने का भी प्रावधान है, ताकि इसे संविधान (97वें संशोधन) अधिनियम, 2011 के अनुरूप बनाया जा सके।

अमेरिका के जवाबी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत: वित्त राज्य मंत्री

नई दिल्ली। भारत के वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए जवाबी शुल्क की बढ़ोतरी पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव और उत्तराधिकारिता का आकलन किया जा रहा है। पीएफआरडीए द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा ?कि हम अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क के प्रभाव का मौलिक अन्वेषण कर रहे हैं। अमेरिका ने भारत पर 27 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य अमेरिकी उत्पादों पर भारतीय आयात को कम करना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में बेहतर स्थिति में है, जिन्हें हमसे अधिक शुल्क भुगतना पड़ेगा। यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए जवाबी शुल्क का प्रभाव तीव्र हो सकता है, लेकिन भारत तैयार है इसके सामने उत्तराधिकारिता के साथ खड़ा होने के लिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए उच्च शुल्क का मुकाबला करने के लिए अन्य कदमों की घोषणा की गई है और यह एक ऐतिहासिक कदम हो सकता है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट

टैरिफ पर डोनाल्ड ट्रंप का फैसला अमेरिका शेयर मार्केट पर ही पड़ा भारी

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में गुरुवार को बाजार खुलने के बाद प्रमुख इंडेक्स डॉव 1,116 अंक या 2.64त्न तक गिर गया। व्यापक सूचकांक एसएंडपी 500 इंडेक्स में 3.24त्न तक की गिरावट दिखी। बाजार 2022 के मुद्रास्फीति संकट के बाद इंट्राडे में सबसे बड़ी गिरावट की ओर बढ़ गया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ऐतिहासिक टैरिफ घोषणा के बाद गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक भारी बिकवाली के सााथ खुले। टैरिफ पर ट्रंप का फैसला अब खुद अमेरिका पर ही भारी पड़ा दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले से वैश्विक बाजार में भी मंदी का खतरा पैदा हो गया है।

अमेरिका में गुरुवार को बाजार खुलने के बाद प्रमुख इंडेक्स डॉव 1,116 अंक या 2.64त्न तक गिर गया। व्यापक सूचकांक एसएंडपी 500 इंडेक्स में 3.24त्न तक की गिरावट दिखी। बाजार 2022 के मुद्रास्फीति संकट के बाद इंट्राडे में सबसे बड़ी गिरावट की ओर बढ़ गया। टेक शेयरों के बोलबाला वाला नैस्डैक में शुरुआती कारोबार में 4.33त्न तक की गिरावट दिखी। भारत समेत दुनिया के दूसरे बाजारों में भी बड़ी गिरावट दिखी।

यह महत्वपूर्ण गिरावट ट्रम्प द्वारा अमेरिका में आने वाले लगभग सभी सामानों पर लगाए गए भारी टैरिफ के बाद आई है, जिससे यह आशंका पैदा हो गई है कि नई नीति से व्यापारिक साझेदारों में भारी नाराजगी पैदा हो

सकती है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है।

टैरिफ घोषणाओं के बाद निवेशकों ने सुरक्षित-संपत्तियों में पैसा लगाया। बुधवार को सोना 3,160 डॉलर प्रति औंस से ऊपर एक नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। दूसरी ओर, ट्रेजरी यील्ड्स में भारी गिरावट आई। 10 साल की ट्रेजरी यील्ड्स अक्तूबर के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई। सोना गुरुवार सुबह 3,060 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस के ऊपर कारोबार करता दिखा। इसमें इस साल सोने में 19त्न तक की तेजी आई है। 1986 के बाद से सोने के लिए यह सबसे अच्छी तिमाही रही है।

उधर, जेपी मॉर्गन के विश्लेषकों ने निवेशकों को लिखे एक नोट में कहा है कि यदि ट्रम्प ने बुधवार को घोषित भारी टैरिफ को बरकरार रखा, तो उनकी अभूतपूर्व व्यापार नीतियों के कारण संभवत: 2025 में अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं मंदी की चपेट में आ जाएंगी।

भारत के कृषि निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का कम होगा असर: अर्थशास्त्री

नई दिल्ली। कृषि अर्थशास्त्री बताते हैं कि भारत को अमेरिका के नए शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उनके अनुसार भारत इस मुश्किल समय में भी अच्छे रिश्ते बनाए रखने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ सापेक्ष शुल्क वृद्धि को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि अमेरिकी शुल्क का सबसे बड़ा प्रभाव समुद्री खाद्य और चावल के निर्यात पर होगा, लेकिन यह भारत के लिए कुछ मुश्किलें भी लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि भारत को उच्च शुल्कों के साथ भी वियतनाम और थाइलैंड के मुकाबले बेहतर स्थिति में रहने का मौका है। चीन पर 34 प्रतिशत और अन्य प्रतिस्पर्धियों पर 30 - 46 प्रतिशत तक के शुल्क हैं, जिससे भारतीय निर्यातकों को यह अंतर दर्जनों लाभ मिल रहा है। यहां तक कि सुरमा के निर्यात के मामले में भी भारत के तुलनात्मक शुल्क लाभ भारत को अच्छे राजनीतिक इकाई में रखता है।

सोलर कंपनी के शेयरों में लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ की घोषणा के बाद घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट के बावजूद सोलर कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स के शेयर गुरुवार को 5 फीसदी चढ़ गए। कंपनी के शेयर बाजार खुलते ही बीएसई पर 4.99 फीसदी उछलकर 201.90 रुपये पर पहुंच गए। इसी के साथ कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लग गया। एक्मे सोलर होल्डिंग्स एक रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है। इसके पोर्टफोलियो में सोलर, विंड, हाइब्रिड और फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाएं शामिल हैं। रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी और एसीएमई ग्रुप की प्रमुख इकाई एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने अपनी 490 मेगावाट की ऑपरेशनल रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाओं के लिए 2,491 करोड़ रुपए की लॉन्ग टर्म फाइनेंसिंग फैसिलिटी हासिल की है। यह फंडिंग 18 से 20 वर्ष की परियोजना अवधि के लिए प्राप्त की गई है।

भारतीय व्यापार को मिला अमेरिकी जवाबी शुल्क का सहारा

नई दिल्ली। एक आर्थिक शोध संस्थान ने दर्जनों एशियाई देशों पर अमेरिकी जवाबी शुल्क लगाने से भारत के लिए व्यापार और विनिर्माण में नए अवसरों का उदय होने की संभावना दर्ज की है। इसके अनुसार अमेरिका की आयात शुल्क में बदलाव ने भारत को अमेरिकी बाजार में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने का मौका दिया है। इसे भारत को अपनी उत्पादन और निर्यात क्षमता में सुधार करने की आवश्यकता होगी, जिससे देश एक महत्वपूर्ण व्यापारिक हब बन सकता है।

ग्रो निफ्टी 500 मोमेंटम 50 ईटीएफ लांच, लंबी अवधि में बेहतर निवेश

मुंबई, एजेंसी। ग्रो म्युचुअल फंड की नई इक्विटी सेंगमेंट में नया फ्लेक्सी कैप फंड ग्रो निफ्टी 500 मोमेंटम 50 ईटीएफ लांच किया है। इस फंड का सब्सक्रिप्शन 3 मार्च से खुल गया है। निवेशक 17 अप्रैल 2025 तक इसमें बिड लगा सकते हैं। यह एक ओपन एंडेड स्कीम है। जिसका बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 500 मोमेंटम 50 टीआरआई है। फंड हाउस का कहना है कि लंबी अव?धि में वेल्थ बनाने में यह स्कीम सहायक साबित होगी। म्युचुअल फंड हास ने बताया कि ग्रो निफ्टी 500 मोमेंटम 50 ईटीएफ में मिनिमम 500 रुपये और उसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश किया जा सकता है।

इस योजना का निवेश मकसद निफ्टी 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स की सिक्युरिटीज में समान अनुपात/वेटेज में निवेश करके लांग टर्म में कैपिटल जेनरेट करना है। जिसका लक्ष्य ट्रैकिंग एरर के अधीन निफ्टी 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स के कुल रिटर्न को ट्रैक करने वाले खर्च से पहले रिटर्न जेनरेट करना है। हालांकि, इसका कोई आश्वासन या गारंटी नहीं है कि योजना का निवेश मकसद हासिल होगा। फंड हाउस के मुताबिक, लंबी अव?धि में कैपिटल एप्रिसिएशन का ऑप्शन तलाश रहे निवेशकों के लिए यह एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इसमें निवेशकों को ग्रो निफ्टी 500 मोमेंटम 50 के इक्विटी और इक्विटी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश का मौका मिलेगा।

इस स्कीम की निवेश रणनीति का मकसद इंडेक्स में शामिल शेयरों की एक बॉस्केट में निवेश करना होगा, और उसका वेटेज भी इंडेक्स के समान ही रहेगा। इस रणनीति का केंद्र बिंदु ट्रैकिंग एरर को न्यूनतम रखना होगा। इसके लिए पोर्टफोलियो को रेगुलर रीबैलेंस किया जाएगा ताकि इंडेक्स में शेयरों के वेटेज में हुए बदलाव और स्कीम में नए निवेश या निकासी को ध्यान में रखा जा सके।

मुंबई कॉमिक कॉन 2025 एक और अविस्मरणीय सप्ताहांत देने के लिए तैयार है

कॉमिक्स, कॉसप्ले, गेमिंग और शानदार फैन अनुभवों से भरा होगा

मुंबई, एजेंसी। पूरे देश में रोमांचक सीज़न के बाद, कॉमिक कॉन इंडिया अपने सबसे बड़े और सबसे बहुप्रतीक्षित संस्करण- मारुति सुजुकी एरिना मुंबई कॉमिक कॉन 2025 के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिसे क्रंचीरोल द्वारा संचालित किया जा रहा है, यह भव्य आयोजन 12-13 अप्रैल को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर, बी के सी में आयोजित किया जाएगा। इस साल के कॉमिक कॉन शो सीज़न के ग्रैंड फिनाले के रूप में, मुंबई एक बेजोड़ पॉप कल्चर स्पेक्टेकल पेश करेगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय और भारतीय कॉमिक क्रिएटर्स, विशिष्ट अनुभव, रोमांचक परफॉर्मेंस, और कॉमिक्स, एनीमे व गेमिंग की एक रोमांचक दुनिया शामिल होगी। प्रवेश करते ही, आगंतुकों को इमेज कॉमिक्स द्वारा प्रकाशित

रेडिएंट ब्लैक का पहला अंक, येन प्रेस का सोलो लेवलिंग पोस्टर और एक स्पेशल कॉमिक कॉन इंडिया बैग उपहारस्वरूप मिलेगा। वहीं, सुपरफैंस के लिए एक विशेष कलेक्टिबल पैक उपलब्ध होगा, जिसमें मार्वल डॉ. डूम का बस्ट, डेडपूल × वूल्वरिन थीम वाली टी-शर्ट और चाबी का गुच्छा, कॉमिक कॉन इंडिया पज़ल, हीरो वाली केप और कई अन्य रोमांचक गिफ्ट्स शामिल होंगे, जिन्हें डिज्नी लाइसेंसिंग के सहयोग से विशेष रूप से तैयार किया गया है।

मुंबई कॉमिक कॉन प्रशंसकों को अपने पसंदीदा कॉमिक क्रिएटर्स से मिलने और बातचीत करने का बेहतरीन मौका देगा; इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण जिम जुब हैं, जो कॉनन द बारबेरियन के प्रशंसित लेखक हैं और मार्वल, डीसी, डिज्नी और कैपकॉम के लिए प्रमुख रचनाएं लिख चुके हैं, तथा रॉब डेनब्लीकर, जो विश्व स्तर पर पसंद की जाने वाली साइनाइड एंड हैप्पीनेस फ्रेंचाइज के सह-निर्माता हैं। इनके साथ भारत के कुछ बेहतरीन कॉमिक बुक निर्माता भी शामिल होंगे, जिनमें अभिजीत किनी स्टूडियो, इंडसवर्स, चैरियट कॉमिक्स, याली ड्रीम क्रिएशंस, गारबेज बिन, ग्राफिकरी, राजेश नागुलाकोंडा, बुल्सआई प्रेस, लिलोरोश, आर्ट ऑफ सेवियो, कॉरपोरट, हैप्पीफ्लफ, यू एंड वी वर्क्स, अर्बन टेल्स, बकरमाक्स, तदम ग्याडू, सौमिन पटेल और कई अन्य शामिल हैं।

कॉमिक्स की दुनिया से आगे बढ़कर, मुंबई कॉमिक कॉन एक भव्य मनोरंजन उत्सव होगा।

संक्षिप्त समाचार

यूएई में केरल की महिला की सड़क हादसे में मौत

अबू धाबी। यूएई में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में भारतीय प्रवासी केरल की महिला 53 वर्षीय साजिनाबानू सी की मौत हो गई। वे ईद पर अल ऐन में छुट्टियां मनाकर परिवार के सदस्यों के साथ कार से लौट रही थीं। उनके दो बेटे हैं। परिवार ने बताया कि दुर्घटना के समय वह अपने पति, छोटे बेटे और एक भतीजे के साथ कार में थीं। उनके बहनोई ने कहा कि अलग-अलग कारों में सात परिवार के सदस्य सवार थे। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, गृहिणी साजिनाबानू सी के पति एक कंपनी में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। उनके दोनों बेटे यूएई में पैदा हुए और पले-बढ़े। बड़ा बेटा भारत के केरल में डॉक्टर है। छोटा बेटा दुबई में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा है। एक अन्य रिश्तेदार ने बताया कि ईद-उल-फितर की छुट्टियों के लिए वह लोग सोमवार को अल ऐन के सुदूर इलाके में स्थित एक फार्महाउस में ठहरे थे। वहां से वह लोग मंगलवार को लौट रहे थे। रास्ते में सजीनाबानू की कार गड्ढे में गिरकर पलट गई। वह पिछली सीट पर बैठी थीं और सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ कार में सवार अन्य लोग मामूली रूप से घायल हो गए।

ट्रंप करेंगे एलन मस्क की छुट्टी, लौटेंगे अपने कारोबार में

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन में सबसे ताकतवर अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) से छुट्टी होगी। एलन मस्क को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान में अहम भूमिका निभाई। ट्रंप ने निर्वाचित होने के बाद डीओजीई को सृजित कर इसका प्रमुख मस्क को बनाने की घोषणा की थी। अमेरिकी डिजिटल अखबार पॉलिटिको की खबर के अनुसार ट्रंप ने मंत्रिमंडल सदस्यों सहित अपने करीबी लोगों को बता दिया है कि एलन मस्क आने वाले हफ्तों में अपनी वर्तमान भूमिका से पीछे हट जाएंगे। ट्रंप और मस्क के बीच इस पर चर्चा हो चुकी है। मुलाकात में फैसला किया गया है कि जल्द ही मस्क अपने कारोबार की दुनिया में वापस लौट जाएंगे। पॉलिटिको का कहना है कि ट्रंप की किचन कैबिनेट के तीन प्रभावशाली व्यक्तियों ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर मस्क की जल्द ही डीओजीई से विदा किए जाने की पुष्टि की। यह खबर डेमोक्रेटिक समर्थित उम्मीदवार जज सुसान क्रॉफोर्ड के विस्कॉन्सिन राज्य के सुप्रीम कोर्ट की दौड़ जीतने के बाद आई है। इस जीत को राष्ट्रपति ट्रंप और एलन मस्क के लिए सबसे तगड़ा झटका बताया गया है। सुसान को हराने के लिए मस्क ने अकूत पैसा खर्च किया, बावजूद इसके वो सफल नहीं हो सके।

भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध हेरोइन एवं ड्रोन बरामद

जैसलमेर। गंगानगर के श्रीकरणपुर सेक्टर में बुधवार रात्रि भारत-पाकिस्तान अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने सीमावर्ती क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान एक पैकेट संदिग्ध हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया। संदिग्ध हेरोइन का वजन 500 ग्राम है। सीमा सुरक्षा बल के जन सम्पर्क अधिकारी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों की रात्रि गश्त की वजह से ड्रग्स तस्कर सीमावर्ती क्षेत्र में पाकिस्तान से भेजी गयी ड्रग्स खेप को प्राप्त करने के लिए निश्चित स्थान पर नहीं पहुंच पाये। इसलिए एक पैकेट में 500 ग्राम संदिग्ध हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया। इससे पहले भी पाकिस्तान ड्रोन से भारतीय सीमा में हेरोइन की तस्करी करने की कोशिश करता रहा है, जिसे सीमा सुरक्षा बल ने निरंतर नाकाम किया है। इससे पहले 21 मार्च 2025 को भी सीमा सुरक्षा बल ने सतराना, बीकानेर से लगी भारत-पाक अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी। राजस्थान फ्रंटियर, सीमा सुरक्षा बल के आईजी एमएल गर्ग ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रग्स तस्करी रोकने अभियान चला रहा है।

उत्तर रेलवे के विद्युत विभाग ने 2024-25 में 417 ट्रैक किमी का विद्युतीकरण किया

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के विद्युत विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 417 ट्रैक किलोमीटर का विद्युतीकरण करने सहित अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इसके साथ ही उत्तर रेलवे शत प्रतिशत विद्युतीकृत रेलवे बन गया है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 171.4 रनिंग ट्रैक किलोमीटर (आरटीके) अर्थात 417 ट्रैक किलोमीटर (टीकेएम) का विद्युतीकरण किया गया। इसमें मेहम-हांसी-रोहतक सेक्शन तथा कश्मीर घाटी में कटरा-बनिहाल सेक्शन का विद्युतीकरण शामिल है। उन्होंने बताया कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) के इस महत्वपूर्ण सेक्शन पर वायु गुणवत्ता सेंसर, वायु वेग सेंसर, जेट फैन, अत्याधुनिक प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ रियल-टाइम टनल वेंटिलेशन प्रणाली, टनल लाइटिंग, आपातकालीन निकासी संकेत प्रणाली, अग्नि पहचान एवं दमन प्रणाली जैसी तकनीकें स्थापित की गई है।

विधानसभा के बजट सत्र में सीएजी की 6 रिपोर्ट और वार्षिक बजट पेश हुआ

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आठवीं विधानसभा के दूसरे सत्र में सीएजी की छह रिपोर्ट और वार्षिक बजट पेश हुआ। उन्होंने कहा कि विधानसभा का दूसरा सत्र 24 मार्च को शुरू हुआ और 2 अप्रैल को सदन अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने बजट सत्र के समापन के बाद गुरुवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन की कुल सात बैठके हुईं। इन सात बैठकों के दौरान सदन की कार्यवाही 27 घंटे 56 मिनट तक चली। इस दौरान वार्षिक बजट पेश किया गया और पास किया गया, सीएजी की छह रिपोर्ट पेश की गई।

पावर लूम्स के रजिस्ट्रेशन के लिए ऐप बनाएगा कपड़ा मंत्रालय

सूरत ■ एजेंसी

सूरत लोकसभा सीट से सांसद मुकेश दलाल ने केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से नई दिल्ली में 3 अप्रैल को मुलाकात कर सूरत के कपड़ा उद्योग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

मुकेश दलाल ने केन्द्रीय मंत्री से कहा कि सूरत को देश-दुनिया में टेक्सटाइल के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि सूरत में लगभग 7 लाख पावरलूम हैं जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। सूरत में प्रतिदिन 60 करोड़ मीटर कपड़े का उत्पादन होता है। कपड़ा उद्योग में लगभग 13 लाख लोगों को रोजगार मिलता है। इसके अलावा, कपड़ा उद्योग से जुड़े कई लघु और सूक्ष्म उद्योग भी हैं जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। सूरत का कपड़ा उद्योग अभी भी असंगठित क्षेत्र में आता है। सूरत में मैनुअल, स्वचालित,

एयरजेट या वाटर बेस्ड सहित कुछ पावरलूम हैं, जिसका कोई डेटाबेस नहीं है। इसकी वजह है कि पावरलूम में रजिस्ट्रेशन की कोई व्यवस्था नहीं है। जिला उद्योग केंद्र के पास भी इसकी कोई व्यवस्था नहीं है और भौतिक रूप से इसकी गणना करना भी संभव नहीं है।

सूरत के सांसद मुकेश दलाल ने केन्द्रीय मंत्री से मांग की कि कपड़ा मंत्रालय द्वारा एक ऐप विकसित किया जाना चाहिए और विभिन्न संगठन-संघों की मदद से सरकार द्वारा इन्हें पंजीकृत किया जाना चाहिए। ताकि एक सटीक डेटाबेस तैयार हो और जिसके माध्यम से सरकार के लिए उचित निर्णय लेना आसान हो। सांसद ने कहा कि वर्तमान में सूरत में बड़ी मात्रा में स्वचालित, एयर जेट, वॉटर जेट मशीनरी का आयात किया जाता है, जिसके लिए उद्योगपतियों को चीन, कोरिया, जापान, जर्मनी जैसे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है और अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। इस प्रकार की मशीनरी देश में विशेष रूप से नहीं बनाई जाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध करते हैं कि वे मेक इन इंडिया, मेक फॉर इंडिया पहल के तहत देश में इस प्रकार की मशीनरी बनाने के लिए एक उपयुक्त प्रोत्साहन नीति बनाएं।

अंतरराष्ट्रीय विधायी प्रारूपण प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे 13 देशों के 28 प्रतिभागियों ने की ओम बिरला से मुलाक़ात

कानूनों में स्पष्टता और सरलता आवश्यक : लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि विधायी प्रारूपण विधि का आधार है। विधि निर्माण में स्पष्टता और सरलता पर जोर देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि कानून लंबे समय तक समाज और लोगों को प्रभावित करते हैं, ऐसे में कानून स्पष्ट और सरल होने चाहिए ताकि आम लोग उन्हें समझ सकें। इससे न्यायालयों में वादों की संख्या में कमी आएगी और संसाधनों की भी बचत होगी।

बिरला ने कहा कि विश्व में तेजी से हो रहे सामाजिक-आर्थिक बदलाव को देखते हुए विधि निर्माताओं और अधिकारियों के लिए विधायी प्रारूपण से सुपरिचित होना बहुत आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों की आवश्यकताएं पूरी हों। इससे सदन में भी अर्थपूर्ण बहस को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आज संसद भवन में संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित 36वें अंतरराष्ट्रीय विधायी प्रारूपण प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 13 देशों के कुल 28 प्रतिभागियों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की भूमिका के बारे में बात करते हुए बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्राइड पूरी दुनिया के विधानमंडलों को प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि अच्छा विधायी प्रारूपण ही प्रभावी कानून का आधार है। इसलिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए बहुत उपयोगी हैं।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 मार्च से 22 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आईटीईसी (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) योजना के भाग के रूप में भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को भारत के संविधान, विधायी प्रक्रिया, संसदीय विशेषाधिकार, प्रशासनिक विधि, उपभोक्ता संरक्षण और नए आपराधिक कानूनों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को विधि एवं न्याय मंत्रालय तथा राज्य विधानमंडलों के साथ भी सम्बद्ध किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों ने लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही भी देखी। वे दिल्ली न्यायिक अकादमी तथा अन्य दर्शनीय स्थलों का दौरा भी करेंगे।

गरीबी के खिलाफ और हाशिये पर पड़े लोगों को सशक्त करने के लिए जंग छेड़ने की जरूरत: मनोज झा

राज्यसभा में गुरुवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए राजद के प्रो. मनोज कुमार झा ने कहा कि आज हमें ज्यादा जरूरत गरीबी के खिलाफ और हाशिये पर पड़े लोगों को सशक्त करने के लिए जंग छेड़ने की है। प्रो. झा ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव के एक पुराने बयान को कल से सोशल मीडिया और मीडिया में प्रसारित किया जा रहा है। हालांकि, इससे अधिक संख्या में उनके सांप्रदायिक एकता के बयान हैं लेकिन उन बयानों को तवज्जो नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव में बहुमत मिलना बुद्धिमत्ता की गारंटी नहीं होता है। आए दिन कभी-कभार पूजा स्थलों पर सवाल उठता है। खान, पान, पूजा, इबादत पर इतनी तकरार क्यों है? हम समुदायों को लगातार हाशिए पर छोड़ रहे हैं। उन्होंने प्रेमचंद की कहानी ईदगाह का जिक्र करते हुए कहा कि उसके पात्र हामिद ने दादी के लिए चिमटा खरीदा था लेकिन उन्होंने नहीं लिखा कि वह किस जाति या मजहब वाले की दुकान से खरीदा। आज इस देश में दुकानदारों को मजहबी आधार पर चिह्नित किया जाता है। इस देश के लोगों को एक दूसरे धर्म और संप्रदाय के अनुयायियों के साथ रहने की आदत हैं। उन्हें अलग मत कीजिए। उन्होंने कहा कि कल मैं गृहमंत्री को सुन रहा था, जिन्होंने बहुत अच्छी तरह से वक्फ का स्रोत बताया। वक्फ फारसी का शब्द है, जिसका मतलब पवित्रता से है। काबा की मस्जिद वक्फ का पहला निर्माण है। इस बिल में बाबा साहब डा. आंबेडकर को उपेक्षित किया गया। जमीन के साथ किसी व्यक्ति या कौम का क्या रिश्ता होता है, इसे भी समझने की जरूरत होती है। मुसलमानों के घर तोड़ना और उन्हें घुसपैठिया बताना ठीक नहीं है। इस देश में इतना धर्म निरपेक्षता कर दीजिए की एक दूसरे की संस्थाओं में दूसरे धर्म के लोग हों।

रोहतक में सजा हरियाणा फिल्म महोत्सव-2025 का मंच

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रोहतक, 03 अप्रैल (हि.स.)। हरियाणा फिल्म महोत्सव-2025 का मंच सज चुका है। दो दिवसीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन शुक्रवार को हरियाणा के युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता, खेल मंत्री गौरव गौतम करेंगे। छात्र छात्राओं में महोत्सव के प्रति काफी उत्साह है। आज दिनभर तैयारी के दौरान छात्र छात्राओं ने एमडीयू के टैगोर सभागार की साज सज्जा में भरपूर योगदान दिया। सभागार की गैलरी में चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें अलग अलग क्षेत्रों में प्रसिद्धि हासिल करने वाली हरियाणा की विभूतियों के चित्र लगाए गए हैं, ताकि युवाओं को इनसे प्रेरणा मिले। इनमें हरियाणवी सिनेमा से लेकर भारतीय सिनेमा, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, खेल, मीडिया, उद्योग व अन्य क्षेत्रों के प्रमुख चेहरे शामिल हैं।

वहीं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महान स्वतंत्रता सेनानियों, साहित्यकारों और महापुरुषों के चित्र प्रदर्शनी स्थल पर देखने को मिलेंगे। विश्व संवाद केंद्र के सचिव राजेश कुमार ने बताया कि हरियाणा की सभ्यता और संस्कृति पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन करने तथा राज्य के भाईचारा और सामाजिक समरसता को उजागर करने के उद्देश्य से 4 अप्रैल से महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में हरियाणवी फिल्म महोत्सव 2025 प्रारंभ होगा।

विश्व संवाद केन्द्र, हरियाणा, सिने फाउंडेशन, हरियाणा तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जा रहे इस दो दिवसीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन 4 अप्रैल को हरियाणा के युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता, खेल मंत्री गौरव गौतम करेंगे, जबकि समापन समारोह में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। प्रसिद्ध अभिनेता राजकुमार राव भी समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह उद्घाटन एवं समापन समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। इस फिल्म महोत्सव के शानदार आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और आज आयोजन समिति ने आयोजन संबंधित तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

चीन देगा अमेरिका के टैरिफ का कड़ा जवाब

बीजिंग ■ एजेंसी

चीन ने आज अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ का कड़ा विरोध किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को चीन के 438 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। चीन अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चीन ने कहा कि वह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाब देगा।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि चीन अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ का दृढ़ता से विरोध करता है और अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़तापूर्वक जवाबी उपाय अपनाएगा। प्रवक्ता ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास बताता है कि टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका की अपनी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। इससे अमेरिकी हितों को ही नुकसान पहुंचता है। इस टैरिफ से वैश्विक आर्थिक विकास के साथ-साथ औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता को भी खतरा होता है।

मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता है। पारस्परिकता के बहाने अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ बढ़ाना हितों के संतुलन की उपेक्षा करता है। ट्रंप इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय व्यापार से लंबे समय से लाभ मिल रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने व्यक्तिपरक और एकतरफा मूल्यांकन के आधार पर तथाकथित पारस्परिक टैरिफ निर्धारित किया है। यह टैरिफ अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन है। इससे संबंधित पक्षों के अधिकारों और हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। यह एकतरफा चालाकी का उच्च प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि कई व्यापारिक साझेदारों ने अमेरिकी कदम के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने ने कहा कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने एकतरफा टैरिफ को तुरंत रद्द करने और समान बातचीत के माध्यम से अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ मतभेदों को हल करने का आग्रह करता है। इस बीच चीन ने मूल्य शासन तंत्र में सुधार करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है।

वक्फ संशोधन विधेयक-2025 में सुधार कम, संशय ज्यादा है: मनु सिंघवी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राज्यसभा में गुरुवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि इस बिल में सुधार कम और संशय ज़्यादा है। न्याय कम और पक्षपात ज़्यादा है। संविधान ने जो दिया, यह बिल वह छीनने की कोशिश कर रहा है। इसको संशोधन कम, साज़िश ज़्यादा कहा जाना चाहिए। जब क़ानून बराबरी का ना हो तो वह सत्ता की चालाकी बन जाता है। यह क़ानून नहीं, क़ानूनी भाषा में लिपटी हुई मनमानी है। उन्होंने कहा कि बिल के क्लॉज 11 के तहत शत-प्रतिशत सदस्य प्रादेशिक वक़्फ़ बोर्ड के ऐसे व्यक्ति होंगे, जिनको प्रदेश सरकार नियुक्त या नामित करेगी यानी चुनाव नहीं होगा। ऐसे में धर्म और समुदाय को अपने वर्गों को चुनने का क्या अधिकार क्षेत्र बचा? वक़्फ़ बोर्ड में ग्यारह में से न्यूनतम सिर्फ़ तीन मुसलमान होने चाहिए। यानी 11 में से 8 ग़ैर मुसलमान हो सकते हैं। अनुच्छेद 26 का कौन सा स्वायत्तता का हक़ आपने समुदाय के साथ छोड़ा?

कार्यालय प्राचार्य शासकीय ज्ञानोदय (आवासीय) विद्यालय नर्मदापुरम्
email-prinrshosh@gmail.com DISE CODE-23370322204
स्थापना वर्ष-2013 School code-671136

पत्रक./ज्ञानो.विद्या/स्था./164A नर्मदापुरम् दिनांक- 21/03/2025

निविदा सूचनापत्र
आउटसोर्सिंग से सुरक्षा गार्डस /इलेक्ट्रिशियन/माली/नर्स प्रदायकरने संबंधी निविदा

मध्यप्रदेश शासन अनुसूचित जाति विकास विभाग मध्यप्रदेश द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय नर्मदापुरम् के विद्यालय भवन, बालक छात्रावास एवं कन्या छात्रावास भवनो की 24 घण्टे सुरक्षा व्यवस्था हेतु 8-8 घंटे **के सुरक्षा गार्डस 09 जिसमे (03 महिलाऐ कन्या छात्रावास हेतु) तथा (03पुरूष बालक छात्रावास हेतु) एवं 03 विद्यालय हेतु तथा 01 इलेक्ट्रिशियन सह प्लम्बर** एवं 01 माली एवं 01 स्टॉफ नर्स (कुल संख्या 12)प्रदाय करने संबंधी दरे निम्नलिखित शर्तो के अधीन अनुभवी ऐजेंसियो,संस्थाओं,संगठनो/व्यक्तियों से वार्षिक अनुबंधो के आधार पर प्रकाशित दिनांक से दिनाक 15.4.2025 को.कार्यालयीन समय तक सीमित निविदा दरे सीलबंद लिफाफे मे आमंत्रित की जाती है.जो कि दिनांक. 16/04/2025 को दोपहर 01:00..बजे शास. ज्ञानोदय विद्यालय नर्मदापुरम् कार्यालय मे खोली जावेगी तथा दरे स्वीकार /अस्वीकार करने हेतु संभागीय उपायुक्त अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम् का होगा जो सर्वमान्य होगा।

शर्ते- (1) निविदा प्रपत्र विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से दिनांक 09/04/2025 तक कार्यालयीन समय मे ज्ञानोदय विद्यालय नर्मदापुरम् से प्राप्त किया जा सकता है।
(2) निविदा द्वि-पद्धति के आधार पर आमंत्रित की जाती है।निविदा प्रपत्र अ मे निविदा का फिजिकल बिड का नाम रखा जाने निविदा प्रपत्र ब मे फायनेंसियल बिड होगी ,जिसमे वर्णित सम्पूर्ण कार्य के मासिक दर स्पष्ट भरे जावे। यह दोनो निविदा पत्र भी प्रथक प्रथक -2 लिफाफो मे पृथक रखे जावे। उपरोक्त दोनो लिफाफो मे बंद कर प्रस्तुत किया जावे । फिजिकल एवं फायनेंसियल लिफाफे के उपर फिजिकल एवं फायनेंसियल निविदा शब्द अंकित किया जावे ।
(3) निविदा दिनांक 15/04/2025 को कार्यालयीन समय तक प्राप्त की जावेगी एवं फिजिकल बिड निविदा दिनांक 16/04/2025 समय दोपहर :01:00तक उपस्थित निविदा कारो के समक्ष शास. ज्ञानोदय विद्यालय मे खोली जावेगी। समस्त अधिकार संभागीय उपायुक्त, नर्मदापुरम् संभाग नर्मदापुरम् के होंगे।
(4) ऐजेंसियो को श्रम मंत्रालय के निर्देशों का पालन करना होगा। समस्त अधिकार संभागीय उपायुक्त कार्यालय नर्मदापुरम् का होगा।

आउटसोर्सिंग से प्रशिक्षित सुरक्षा गार्ड/इलेक्ट्रिशियन+प्लम्बर/माली एवं नर्स प्रदाय करने संबंधी प्रपत्र

क्र	कर्मचारी का पद	आवश्यक संख्या	सीलबंद लिफाफे में निविदा प्राप्त करने का दिनांक एवं समय	निविदा खोलने का दिनांक एवं समय
1	सुरक्षा गार्ड	09 03महिलायें एवं 06 पुरूष सुरक्षा गार्ड प्रशिक्षित	प्रकाशित दिनांक से 15/04/2025 तक कार्यालयीन समय शास.ज्ञानोदय विद्यालय नर्मदापुरम्	16/04/2025 दोपहर 01:00 बजे स्थान -शास. ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय ओल्ड बी.टी.आई. नर्मदापुरम्
2	इलेक्ट्रिशियन +प्लम्बर	01प्रशिक्षित	उपरोक्तानुसार	उपरोक्तानुसार
3	माली	01प्रशिक्षित	उपरोक्तानुसार	उपरोक्तानुसार
4	स्टॉफ नर्स	01प्रशिक्षित	उपरोक्तानुसार	उपरोक्तानुसार

पता:- शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय ओल्डबी.टी.आई. नर्मदापुरम्
संपर्क के लिए मो.नं. 8770219968-9479906207

प्राचार्य
शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय
नर्मदापुरम्

जी11101/25

आजादी के बाद पहली बार नक्सलियों के गढ़ पहुंचे उपमुख्यमंत्री

विजय शर्मा ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों के बीच बैठकर सुनीं समस्याएं

सुकमा ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने गुरुवार को एक करोड़ के इनामी नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा के कोर इलाके रायगुड़ेम गांव पहुंचकर जन चौपाल लगाई और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं को सुना व समाधान का भरोसा दिया। आज़ादी के बाद पहली बार नक्सलियों के गढ़ रायगुड़म पहुंच कर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों से मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई।

दरअसल, सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत घुर नक्सल प्रभावित रायगुड़म वह इलाका है, जहां नक्सलियों ने इसके सभी मार्ग को बंद कर लम्बे समय तक अपने कब्जे में रखा था। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को रायगुड़ेम तक पहुंचने के लिए नक्सलियों के गढ़ में हेलीपेड से उतरने के बाद बाइक का सफर तय करना पड़ा। यहां रायगुड़म में उपमुख्यमंत्री ने जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओंको सुना और उन्हें सरकार की ओर से समाधान करने का भरोसा दिया। इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री के दौरा को देखते हुए रायगुड़ेम इलाके में तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इस दौरान रायगुड़म में बस्तर आईजी सुंदरराज पी. एवं सुकमा एसपी किरण चौहान और बड़ी संख्या में पुलिस व सुरक्षाबल तैनात रहे। इनामी नक्सली कमांडर हिड़मा और देवा का यह कोर इलाका लंबे समय तक नक्सलियों के कब्जे में रहा था। जहां उनकी इजाजत के बगैर कोई नहीं जा सकता था। क्षेत्र के हालात इतने बदतर हो गए थे कि यहां तैनात जवानों के लिए सड़क मार्ग से राशन पहुंचाने के दौरान नक्सली हमला कर राशन लूट लेते थे। इसके बाद लम्बे अरसे तक यहां के जवानों के लिए हेलीकाप्टर से राशन की आपूर्ति की जाती रही। उल्लेखनीय है कि 5 अप्रैल को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में कार्यक्रम है। वे दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम उत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

एक साथ जलीं 18 चिताएं

नेमावर। गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट से 20 लोगों की मौत हो गई थी ।इनमें 5 से 8 साल तक के बच्चे भी हैं। ये सभी मध्यप्रदेश के हरदा और देवास जिले के रहने वाले थे। देवास के नेमावर घाट पर आज गुरुवार को 18 शवों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

स्वास्थ्य अधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

गर्भवती महिलाओं व शिशुओं की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करें

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नवीन अनमोल एप्लीकेशन और आरसीएच पोर्टल 2.0 का चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और शिशुओं की निगरानी के लिए पोर्टल लाभकारी है। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने के बारे में बताया जा रहा है।

नर्मदापुरम के होटल प्राइम लैंड में 29 मार्च से ब्लॉक वार मेडिकल ऑफिसर, सीएचओ, डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा एएनएम को प्रशिक्षण प्रदान किया। सीएमएचओ डॉ. दिनेश देहलवार ने प्रशिक्षण में बताया कि गर्भवती माताओं के पंजीयन तथा शिशु के पंजीयन की निगरानी व समय पर टीकाकरण, हाइरिस्क गर्भवती महिला की जटिलता का शीघ्र पता लगाकर समय पर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना उद्देश्य है। अनमोल एप्लीकेशन तथा पोर्टल के नए वर्जन में पंजीयन के लिए समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा बैंक खाते की ई-केवायसी अनिवार्य रूप से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा व प्रसूति सहायता योजना के पात्र हितग्राहियों को भुगतान के लिए समग्र से आधार लिंक करवाना तथा आधार कार्ड से बैंक खाता लिंक करवाना होगा, तभी प्रोत्साहन राशि का भुगतान सीधे खाते में जमा होगा। गर्भवती महिला के पंजीयन के समय पति-पत्नी के समग्र आईडी एक ही परिवार सूची में अपडेट करवाना होगा।

मास्टर ट्रेनर अनुष्का मालवीय ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से बताया कि नए एप्लीकेशन के माध्यम से पंजीयन के साथ ही हाई रिस्क एएनसी का फॉलोअप, प्रसव उपरांत दी जाने वाली सुविधा तथा बच्चों के टीकाकरण की ट्रेकिंग आसानी से की जा सकेगी। प्रशिक्षण की राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की गई इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डीपीएम उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

शा.एकी .मा.वि. मालखेड़ी में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सोजान सिंह रावत के मार्गदर्शन में नगर के शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सहित अन्य सभी शासकीय विद्यालय में शिक्षण सत्र 2025-26 के चार दिवसीय प्रवेशोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, शालाओं में भविष्य से भेंट '' कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया गया है। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में मालखेड़ी माध्यमिक विद्यालय में आमंत्रित अतिथि परियोजना अधिकारी योगेंद्र राय, समाज सेवी डॉ मयंक तोमर एवं जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर ने उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियाँ सुनाए साथ ही बच्चों की उनके भविष्य में बनने की इक्छा जानी ओर दिए टिप्स।

नर्मदापुरम में हाथ-पैर बांधकर ग्रामीण की पिटाई

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के पथरौटा थाना क्षेत्र में एक बेटी के प्रेम विवाह से नाराज पिता ने युवक के मामा और अन्य परिजनों को रस्सी से बांधकर डंडों और हंसिए से पिटाई कर दी। पुलिस ने रात दो बजे मौके पर पहुंचकर घायलों को बचाया और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पथरौटा थाना प्रभारी संजीव पवार ने बताया कि आरोपी की 19 वर्षीय बेटी का कुलामढी के एक युवक से प्रेम संबंध था। कुछ दिन पहले युवक के मामा ने रिश्ते की बात की थी, लेकिन लड़की के परिजनों ने इनकार कर दिया था। एक अप्रैल की दोपहर को लड़की अचानक लापता हो गई, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट मंगलवार रात को दर्ज कराई गई।

हरदा के भिरंगी गेट पर आज होगा मेंटेनेंस

हरदा। हरदा जिले में रेलवे विभाग की ओर से खिरकिया सेक्शन के भिरंगी गेट पर दो दिवसीय मेंटेनेंस काम किया जाएगा। इस दौरान हरदा से खिरकिया के बीच यातायात पूरी तरह से बंद रहेगा। वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करना होगा। रेलवे विभाग के अनुसार, मेंटेनेंस कार्य शुक्रवार सुबह 8 बजे से शुरू होगा और शाम 6 बजे तक चलेगा। यह कार्य दो दिनों तक जारी रहेगा, जिससे इस मार्ग पर चलने वाले वाहनों को असुविधा हो सकती है। हरदा-खिरकिया मार्ग पर चलने वाले सभी वाहनों को बम्हनगांव के रास्ते से खंडवा की ओर जाना होगा।

अधिकारी अवैध शराब की बिक्री एवं रेत भंडारण पर प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें

सभी विधायक एवं जनप्रतिनिधि एक-एक तालाब लेकर श्रमदान कर जीर्णोद्धार करें - राकेश सिंह

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह ने जिले के सभी विधायक गणों एवं जनप्रतिनिधियों से कहा कि वह एक-एक तालाब हाथ में लेकर श्रमदान करें और उस तालाब को पुराने स्वरूप में लाते हुए तालाब में वॉटर रिसोर्स बढ़ाएं। इस कार्य के लिए आम जनता एवं कार्यकर्ता का भी सहयोग जनप्रतिनिधि लें। प्रभारी मंत्री ने कहा कि तालाब गहरीकरण का कार्य सभी का सहयोग लेकर श्रमदान के माध्यम से किया जाए। छोटी-छोटी जल संरचनाओं को विकसित किया जाए। बोरी बंधान करें इसके लिए ग्राम पंचायत से भी आवश्यक सहयोग लिया जाए। उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को निर्देश दिए कि वे ऐसे गांव की सूची बनाएं, जहां पर छोटी-छोटी जल संरचना को विकसित किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए की सभी विधायकों को इस कार्य योजना से अवगत भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य 1 घंटे या आधे घंटे के लिए नहीं अपितु हफ्ते भर में लेकर पूर्ण किए जाएं।। उल्लेखनीय है कि प्रभारी मंत्री श्री सिंह गुरुवार को नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। प्रभारी मंत्री ने बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अब तक हुए कार्य की प्रगति, ई ऑफिस सिस्टम, गेहूं एवं चना उपार्जन, सीवरेज प्रोजेक्ट मैं अब तक हुई प्रगति आदि की समीक्षा की।

प्रभारी मंत्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जनप्रतिनिधियों से सतत संपर्क एवं समन्वय बनाकर कार्य करें। जनप्रतिनिधियों को किए जा रहे कार्य की सूचना एवं सूची अनिवार्य रूप से दें। प्रभारी मंत्री ने बैठक में निर्देश दिए की संबंधित अधिकारी अवैध शराब बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जगह-जगह रेत के भंडारण पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए की रेत के अवैध भंडारण पर भी प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि शराब एवं रेत भंडारण में कार्रवाई सख्ती से की जाए।

प्रभारी मंत्री ने सिवरेज प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित एजेंसी प्रति सप्ताह किए जा रहे कार्यों की जानकारी देवे। उल्लेखनीय की जन प्रतिनिधियों ने प्रभारी मंत्री को अवगत कराया कि सीवरेज के नाम पर जहां तहां बीच सड़क पर गड्ढे खोद दिए गए हैं, जिससे वाहन दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में नर्मदापुरम विधायक डॉक्टर सीता सरन शर्मा, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव, पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा, हरिशंकर जायसवाल, ओम प्रकाश रघुवंशी, अर्जुन पलिया, श्रीमती सविता दीवान, जनप्रतिनिधि श्रीमती प्रीति पवन शुक्ला, सुधीर तिवारी, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक गुरु करण सिंह सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

अवैध सागौन परिवहन मामले में

फरार 8 आरोपियों को वन विभाग की टीम ने किया गिरफ्तार

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सामान्य वनमण्डल के डीएफओ मयंक गुर्जर के मार्गदर्शन में बानापुरा वन विभाग की टीम लगातार सागौन माफियाओ के विरुद्ध कार्य वाही कर रही है । इसी श्रृंखला में वन परिक्षेत्र बानापुरा सामान्य की टीम ने बीट बोरकुण्डा से अवैध कटाई कर सागौन लठ्ठों का परिवहन कर लौट रही पिकअप वाहन को नंदरवाड़ा नाके के पास 25.03.2025 को पंचर हो जाने के बाद सागौन लठ्ठे 14 नग को खाली कर पंचर वाहन लेकर अपराधी फरार हो गये थे।

जिस पर कार्यवाही करने हेतु मुख्य वनसंरक्षक वृत्त, नर्मदापुरम अशोक कुमार के दिशा निर्देशन में एवं डीएफओ मयंक सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में टीम गठित की गई थी। दिनांक 30.03.2025 को 07 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। अवैध कटाई में संलिप्त वाहन पिकअप को भी जप्त किया गया था। वाहन पर राजसात की कार्यवाहीं प्रस्तावित की गई हैं प्रकरण में संलिप्त 08 अन्य फरार आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार कर दिनांक 03.04.2025 को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में 15 आरोपियों के विरूद्ध म.प्र. विनिर्दिष्ट वनोपज (विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 5 एवं 15 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 के अंतर्गत कार्यवाही की गई हैं।

नर्मदापुरम कमिश्नर ने बसों के स्थाई परमिट की सुनवाई की

अलग-अलग शहरों से पहुंचे बस ऑपरेटर, 28 अप्रैल तक ले सकते है दावा-आपत्ति

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम संभाग की सड़कों पर चलने वाली बसों को स्थाई परमिट देने की प्रक्रिया गुरुवार को पूरी की गई। नर्मदापुरम संभाग आयुक्त कार्यालय में कमिश्नर केजी तिवारी ने बसों के स्थाई परमिट के लिए आए 166 आवेदनों पर सुनवाई की। यह सुनवाई दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक चली। जिसमें नर्मदापुरम, पिपरिया, इटारसी, बाबई समेत हरदा, बैतूल, भोपाल और सीहोर जिले के बस ऑपरेटर्स, मालिक और उनके प्रतिनिधि शामिल हुए।

28 अप्रैल तक दावे-आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी: कमिश्नर (रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी-आरटीए) ने सभी आवेदनों पर एक-एक करके सुनवाई की। अब इन आवेदनों पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 28 अप्रैल तय की गई है। इस तिथि तक आपत्तियां दर्ज की जा सकती हैं, जिसके बाद स्थाई परमिट जारी किए जाएंगे।

2019 के बाद पहली बार जारी होंगे स्थाई परमिट: गौरतलब है कि वर्ष 2015 से 2019 तक परिवहन विभाग के डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को बसों के स्थाई परमिट जारी करने का अधिकार था। लेकिन 2019 में हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद यह अधिकार डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर से वापस ले लिए गए, जिसके चलते तब से स्थाई परमिट जारी नहीं किए जा रहे थे। बीते दो वर्षों से बस ऑपरेटर्स को अस्थायी परमिट या शादी के परमिट के आधार पर बसों का संचालन करना पड़ रहा था। राज्य सरकार ने स्थाई परमिट की प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के लिए रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (आरटीए) का गठन किया है। अब संभागायुक्त को इस अथॉरिटी का प्रमुख नियुक्त किया गया है। इसी आधार पर 2019 से लंबित पड़े 166 आवेदनों पर सुनवाई की गई। इस प्रक्रिया के दौरान आरटीओ निशा चौहान भी मौजूद रहीं।

मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना से 1 वर्ष की सांईश्रुति का हुआ सफल हृदय उपचार

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना उन बच्चों के लिए संजीवनी साबित हो रही है, जिनके परिवार आर्थिक कारणों से महंगे हृदय उपचार कराने में सक्षम नहीं हैं। यह योजना जरूरतमंद बच्चों को एक स्वस्थ जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नर्मदापुरम जिले की 1 वर्षीय साई श्रुति गौर का भी मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के अंतर्गत सफल हृदय उपचार अपोलो राजश्री हॉस्पिटल, इंदौर में किया गया। इस योजना के माध्यम से बच्ची के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिससे वे नि:शुल्क सर्जरी करा सके। नर्मदापुरम निवासी निखिल और मोनिका गौर की पुत्री साईं श्रुति को जन्मजात हृदय संबंधी समस्या थी, जिससे उसकी धड़कन सामान्य से तेज चल रही थी। कई बड़े अस्पतालों में परामर्श के बाद भी बच्ची की सर्जरी संभव नहीं हो पाई, क्योंकि उसका वजन कम था।

श्री राम जन्म महोत्सव समिति द्वारा आयोजित श्री राम कथा का चतुर्थ दिवस

आज का मनुष्य स्वार्थी हो चुका है, भाई और पिता का भी नहीं होता

इटारसी ■ निसं

श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर तुलसी चौक परिसर में श्रीराम जन्म महोत्सव समिति द्वारा 62 वे वर्ष में आयोजित श्री रामकथा महोत्सव के चतुर्थ दिवस कथाव्यास महेंद्र मिश्र मानस मणि ने कहा कि आज का युग जिसे कलयुग कहा जाता है, स्वार्थ से भरा हुआ है। व्यक्ति एक दूसरे को नीचा दिखाने में अपने को बड़ा समझता है। भाई, भाई का नहीं होता पिता, पुत्र का नहीं होता और पुत्र भी पिता का नहीं होता। परंतु अयोध्या के राज्य में दशरथ नंदन प्रभु श्री राम जिन्होंने मनुष्य स्वरूप में अवतार लिया, अपना जीवन भी मनुष्य के समान ही व्यतीत किया।

आचार्य ने कहा कि एक युवा जिसे दूसरे दिन प्रात काल युवराज बनना है, उसने पिता की आज्ञा मानकर वन में जाना स्वीकार किया। यहां तक तो ठीक था, लेकिन वन में भरत आए, उन्होंने राजपाट राम जी को देने की बात की, रामजी ने मना कर दिया और कहा कि तुम ही अयोध्या का राज करो। पिता का आदेश मेरे वन गमन के लिए है। कथाव्यास ने कहा कि वन गमन के दौरान प्रभु श्री राम ने कई कष्ट झेले, परंतु किंचित मात्र भी उन्होंने अपने पिता को दोष नहीं दिया।

आचार्य कहते हैं कि सीता हरण के पश्चात प्रभु श्री राम व्याकुल हुए परंतु हिम्मत नहीं हारी, क्योंकि प्रभु श्रीराम का लक्ष्य असुरी शक्तियों का वध करना था। इसीलिए उनका जन्म हुआ था।

प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज की अध्यक्षता में कार्यक्रम शुभारंभ हुआ

महाविद्यालय स्तरीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शासकीय विधि महाविद्यालय में महाविद्यालय स्तरीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज की अध्यक्षता में कार्यक्रम शुभारंभ हुआ। शिवाकांत मौर्य सहायक प्राध्यापक विभागाध्यक्ष, कीड़ा विभाग, डॉ. अभिषेक सिंह सहायक प्राध्यापक, राजदीप सिंह भदौरिया, सहायक प्राध्यापक, डॉ. हरिप्रकाश मिश्र, क्रीड़ाधिकारी अतिथि विद्वान, डॉ. ओम शर्मा, ग्रंथपाल अतिथि विद्वान, लक्ष्मी कुलकर्णी, भृत्य, अजय उपस्थित रहे। 100 मीटर पुरुष दौड़ प्रतियोगिता में राजकुमार एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान, ईश्वर एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान एवं निलेश एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर महिला दौड़ पर में रुचि गौर एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान, चांदनी एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान एवं अंकिता गौर एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गोला फेंक पुरुष प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान राजकुमार एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने द्वितीय स्थान निलेश एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने एवं तृतीय स्थान जुगल किशोर एल एल. बी. द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। गोला फेंक महिला प्रतिस्पर्धा में नेहा खापरे एल एल. बी. द्वितीय वर्ष, प्रथम स्थान, प्रिया चौहान ,एल एल. बी. द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान एवं रीटा परमार एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंगड़ी टांग महिला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रुचि गौर एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने, द्वितीय स्थान पर रीटा परमार एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने एवं तृतीय स्थान पर प्रिया चौहान एल एल. बी. द्वितीय वर्ष विजेता रही।

योग में प्रथम स्थान ईश्वर एल एल. बी. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान आनंद सिंह एल एल. बी. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान पंकज एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। टेबल टेनिस पुरुष में प्रथम स्थान हेमराज सिंह परिहार एल एल. बी. द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान ईश्वर एल एल. बी. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान शिवराम एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया।

टेबल टेनिस महिला में रीटा परमार एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शतरंज में प्रथम स्थान राजकुमार एल एल. बी. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान रीटा परमार एल एल. बी. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान आनंद सिंह एल एल. बी. प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया।

स्वास्थ्य अधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

गर्भवती महिलाओं व शिशुओं की जानकारी पोर्टल पर अपडेट करें

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नवीन अनमोल एप्लीकेशन और आरसीएच पोर्टल 2.0 का चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और शिशुओं की निगरानी के लिए पोर्टल लाभकारी है। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने के बारे में बताया जा रहा है।

नर्मदापुरम के होटल प्राइम लैंड में ब्लॉक वार मेडिकल ऑफिसर, सीएचओ, डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा एएनएम को प्रशिक्षण प्रदान किया। सीएमएचओ डॉ. दिनेश देहलवार ने प्रशिक्षण में बताया कि गर्भवती माताओं के पंजीयन तथा शिशु के पंजीयन की निगरानी व समय पर टीकाकरण, हाइरिस्क गर्भवती महिला की जटिलता का शीघ्र पता लगाकर समय पर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना उद्देश्य है। अनमोल एप्लीकेशन तथा पोर्टल के नए वर्जन में पंजीयन के लिए समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा बैंक खाते की ई-केवायसी अनिवार्य रूप से होना चाहिए।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007.
डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।)।